नइधुरि मोगलीक
नणीपहिलीगाण
इचउवीसमातीर्थं
करदेवनउ नमःस्का
रकरेइछइ॥१॥
जगचिंतनइचउडा
मणिरायडीसमान
॥ऋषभनश्रीआदि
नाथ॥अनइश्री
महावीरत्रिलोक्य
लक्ष्मीनइ॥तिल
कसमान॥एकश्री
आदिनाथलोक
नइआदित्यसमा

५६०॥श्रीदेवगुरुनमस्कारकरी श्रीउपदेशमालानीपहिलीगाथाकहीइछइ॥
जिणवरश्रीतीर्थंकरादेव॥नमिऊणःनमस्करीनइ॥एउपदेसमालाश्रणि
बुढामिबालिसु॥गुरुवएसणं॥गुरुश्रीतीर्थंकर॥गणधरादिकतेहनइंउ
पदसिइ॥नउआयणबुद्धिइं॥श्रीजिनवरंद्रकिस्याइइ॥इंदनरिंदद्विएति

५६०॥वर्द्धमानजिनंदवं।गानमादीनमहत्तमन्।कवीनांसर्व
शास्त्रार्थीपदांचश्रुतदेवता१श्रीजिनचंद्रसूरीणं गाढवतरा
सिश्रीजिनवंद्रसूरीशा पदस्थायेजन्यमी२वार्त्तासूपांतरास्ते
षां स्तच्छिष्यासुसुंदरः मुग्धलोकहिताक्षय श्रीउपदेशमाल
कोइ नमिऊंजिणवरिंदे इंदनिरिंदद्विएतिलोयगुरु उवएसमा
लेमेणमो बुद्धाभिगुरुवएसणं१जगचूडामणिसूउसालावो
एंतिलोअसरिंतिलउ एगोलोगोइच्चाएगावरकूतिहूअणस्मार
न॥जिमसूर्यसर्ववस्तुप्रकासइ॥तिमस्वामीइसकललोकव्यवहा
रप्रकासउ॥एकश्रीमाहावीरत्रिभुवननइहृयस्थांस्थितपदार्थदेषाडिवा
नइविषइचक्षुसमान॥२॥

लो० इंद्र ६४०
वक्रवर्त्तिनासुदेव
मुखनारश्वरताह
अर्द्धितपूजितवर्त्तइं
वलीक्रियांप्रवर्त्तइं
॥तिलोअगुरु॥सर्व
गिमत्कपातालरू
पाजत्रिन्हिलोक
तदनांगुरु॥मोक्ष
मार्गणाउयादसण
हार॥१एहहिली
गाथापाहिलाआ
चार्यनीकीधी॥सं
बधजाणवानणी
अथश्री धर्मदा
सगणि शास्त्र

सारराजा॥गणधरगोत
पूर्वामिसमयश्रीतन
उथणीआपणपइं अर्थ
जाणउजंउ॥लोकनइं
प्रतिबोधवानणीवि
स्मतकृदयहतनउस
ढूंसांनलइं॥इमवी
जिगुरुनइविनयक
रिवउ॥६॥जिवस्तुरा
जाआदमदिइ॥ति
प्रकृतिलोकमाथ
इकरीईछइ॥प्रतिव
जईय॥ईणिक्रमिइ
गुरुजननामुखनं
नणिउं॥शिष्यजानइ
तांजालिहाथबिहुं
जाडीनइमांत्तलिव
उं॥७॥जिमसुरगण
इवसमूहमाहिइंद्र
प्रधानं॥यहगणतां
रामाहिजिमचंद्रमा

वरसदीमलगइश्रीआदिनाथितपकीधउ॥अनइवर्द्धमानजिनचंद्रिछमास
तांईतपकधउ॥ईयईणिइपकरि॥एबिहुंतीर्थंकारनउविहारउपवासक
रता॥छद्मस्थकालिविहारकीधउ॥धर्म्मदासगणिशिष्यप्रतिकरइइ॥ए
लिइउपमानितपनइविषइदेवछउंदयइनेकरि॥३॥जइकिमइत्रिलो
क्यनुनायकअहइसजनसामान्यलोकातनइनाकीधाईयएवाजीवनइ॥
सवछरमुसलजिणा छमासावधमाणजिणचंदा इअविहरिआनि
रसणा जइजइउवमाणेण३जइतातिलाअनादा विसदिइबहूआइ
अमरिसजणस्मएजाअंतकरा इएसरवमासछसाहूणं धनवइज
इकालउ महइमहावधमाणजि एचंदा उवसमासदास्सदेवि
मसंजदावायगुजाहि५न दाविणयविणउ पढमागुण
दूरासमत्तसुअनाणी जाणंतो विसमछं विम्हिअहिअउसुणइ
सवंदजेआणवइरायएगईउ तंसिरेणइछतिइअगुरुजणमुदस
णिअंकयंजलिंउडिंसाअहंउ जदासुरगुणाणंदा गदगुणातारा
गणाणजदचंदा जदूएयाणनिरिंदा गणस्मवियुरुतदाणादा ८॥
प्रजालोकमादिजिमराजा॥तिमगछसंघमादिआनंदनउदेणहार॥गु
रुजिजाणिवउ॥॥८॥वलिकइराजानइप्रजालोक॥

अनकथिएगुणउंकहि
षिनकछणंमहइएह
वीछमासविकुमा
दात्माएकरवी॥ध
महामोटउमहइसि
उग्रर्थ॥मोक्षनइ
विषइएकाग्रचित्त॥
एहवउश्रीवर्धमान
जिनचंद्र॥उपसर्गने
महसे॥धसनजंता
उवलावीकंपावीन
सकीइ॥कलइदृष्टां
ति॥जिमासुरतेत
वायगुंजाएमहाथा
एवलावीनसकीइ॥
५॥विछमाविनयक
रीआवइतेकहइ॥स
इकल्याणकरणहार
विनीतपामिउमइ॥
विनयजाणइएहवउ

Digitized with financial assistance from the
Government of Maharashtra
on 11 June, 2017

अपरिवत्ताइंरायलच्छीए जीवासकमकलिमलं सरिअ
सरातापडंतिअहं ३२ बुचुणविजीवाणं सउच्छराइंति
पावचरिआइं नयवंजा सासासा पच्छाएसोजइणमो
ता ३३ पडिवजिऊणादा सं निअएसमंचपायवा
डिएए ताकिरमिगा वईए उप्पनंकेवलंना
णं ३४ किमक्खावुचुजस रागधम्मिकाइअकसा
उजापुणधरिजधणिअंडु वयणुजालिएसमुणा ३५ क
मअकसायतरूणं पुप्फंवफलंचादाविविरसाइं पुप्फणं
फाइऊविउ फलिणपावंसमायरइं ३६ सातविकाविउ
लागाआपउअपरा धेषमावनाकेवलज्ञानऊपनउ इसिवंदनबालानइनि
इआवी एहवइअंधाकारिसंसारादूकडउसायजातउदर्षनबालानउहा
यउंवउकीधे गुरुणीजागीकोइहाचक्कलाचिउ काहिसापजोइछइ वंदनबाला
इहछिउ कांईज्ञानछइ तेतेइसापदीउ कदिउहाकेवलज्ञानिकरीहउंदेषउ
छउ पछइवंदनबालामृगावतीनेपगिलागीषमवतीकेवलज्ञानउन्ने ३७

इसिउंकहीसकीइ जउसरागधर्मिकोईकषायरहितइपविउनथि जापुणपइसिछ
तइंजिकोएकअतिहिदुर्वचनरूपाओईघणताणइकरीजालित दीधाव्याजेषो
यातदनइघरइ राषइतेमुनिमहातमाकहीइकमूयांजेकषायतेदरूपवृक्षतेह
नांफल अनइफूलबिहिविरस अतिकरुआंजाणिवां फूलानाजपरुउधसन
फलतेजुमारणादिकप्पापसमावरइ कषायवृक्षाईहांजीणइमांनिइफूलीइफली
इ तीणइमानिइइखदिइ एवथापांनांनोउपजै

षूइकाइअसातविअहिलसइनाववइपरपवणावि एसावा
दिहूणजहजंबू ३७दीसंतिपरमधारावि पवरधम्मप्पत्तावपडिबु
धा झदासाविलाइपुत्ती पडिबु धासुसमाणाए ३८ पुप्फिअ
फलिएतहपिउघरंमि तहाबु हासमणुबधा ठाठणतहा
विसठा विसठाजहसफल याजाया ३९ आहार
सुसुहसुअ रम्मावसहिसु काणणसुच सारुणनाहि
गारा अहिगारधम्मकाजिसु ४० साहुकेतारमहासएसु
अविजणावएविमुइअंमि अवितसरीरयाउं सदंतिनलयंति
अविरुइ ४१ जांतदिपीलियावज्ज खंदगसीसानचवपरिक्क नी

षइ रुडाउपाआनइविषइ एतलेस्थानके म हातमानइअधिकारनही एतला
नीमारसंभालनकरवी उकिहांअधिकार नयसंजमधर्मकार्यनइविषइअधिका
र ४० मधुमहातमाकांतरअहवीराजविग्रहादिकमहान्नयमादिपद्याजंता अथवा
मदमुदितादमनइविषइरदियाजंता असअजुन्नानपाणीनलिइ अविवावरितसय
रनीपाडाकषतरससहइ अदियासइ पलिअसंजमेनलाइ ४१

THE ASIATIC SOCIETY OF BOMBAY

बोलइ ॥ ७ ॥ साठिस
हस्सवरसतयबके
रउ ॥ एक्कवीसवार
ग्रेनधाई छठ्यारण
उक्कर ॥ इ ॥

अज्ञातपनुंअल्पफ
ल ॥ ८१ ॥ जिघट्
विधजीवनउवध
विनासकरइ ॥ अन
इहिंसकशास्त्र अ
नरानइउयदिसइ
तेअज्ञानमहर्षि ॥
बालतपस्वीनउघणु
इतपनउल्कशकी
धउ ॥ अल्पफलनऊ
इ ॥ ८२ ॥ जिमुनिव
शेइजाणइ ॥ स
वीजीवा रदिकयथा

एहवाइतैजिमांनवंतमहातमा परअपनेमनइअयमानकहीइ परान्तवञ्च
वंचनानकरइ वलाईसुखइखवउजिखवाकहिवानूइकाजि साहुएद
धिसमुद्रनीपरिइंगेभीरकुइ ॥ ७ ॥ मुहुसकोमलनिहंकार निश्चेतस्वन्त
वनिश्चलमननउस्वन्नाव हासदहसवेउंदवअवज्ञापूर्वकपरनइहविव
अवमाणं वंचणांतपरस्मनकरंति सुहदुक्खुगिरणछे साहूउयहिवगं
भीरा ७० मउयानिहूअसदावहासदववियसियाविगइमुक्का अस
मंजसमइबहूअंनसणंतिअन्नु छिआसाहू ७१ महूरेनिउणंधावं
कक्कावडियंअगवियमउछं पुवं मइसंकलियं सणंतिजेधम्मं संजु
तं ८० सहिवासमइस्सासि सत्तखुत्तादएणाधाएणं अणु
चिन्नंतामलिणा अन्नाणंत वुत्तिअप्पफलं ८१ छजीवकाय
वहगाहिंसगसडाईउवइसंतिपु णासुबहुंणितवकिलासं बालत
वस्सीणअप्पफलं ८२ परियछंतियसवं जदहियंअवितहंसंदिद्धं
ताजिणवयणविहिन्नेसदेतिबहूअस्मबहूआइं ८३ जाजस्सवहएदि

सुतजिसिंछइनिस्पइंअविनयसाचउ असंदिग्धसंदहरहित्त ते
हसणजिनवचनसिअंत तेहनाजीणवकुयणउवचनादिकसंसहइ
एयाघणाकर्मजिनउंफल ८३ ॥ जाजहनइहायइवर्त्तइवसइ

उंतीणइकरीविव
जितरहिता राजक
थादिकविकथाती
णइकरीरहित एह
वामहातमाअसंब
धवचनबधववनब
कघणउंनबालइ
आनारअणपूछ्योकं
ता ७९ ॥ मधुरसोच
णाहारनइहर्षदायक
नियुणपंडितमउं
थोबंथोडउं ॥ कयावडियं काजपडिइबो
लनइ असच्चियगवर
रहित अइठ० नोछ
उन ८ ही गंभीरअ
र्थगछितबोलिवउंय
दिलउं मतिसंकिलन
बोलइ ॥ सुसंधुएहव
उवसनजेबोलइते
धर्मसयुक्तातहवउ

रालिसद्दिविविधरूपने
कप्रकारिढउअठमा
दिनपविशेषिइंकरी
तिमकिमइआपणउ
आत्मासाधिउजिम
आयणइघरिउपावि
उ ॥ मानाकरनात्रन्
जालिउं नउलघिउ ॥
एकथापूसिधइछइ जि
मझालिसद्रधनउदी
कालीधापछी ॥ वारि
वरासामासधमणान
इश्रीमहावीरसाधिआ
व्यातिहांस्वामीपूछा
आजमइनइवारणउ
किहिनइहाजसि क
हिउंमांनइहाथि असि
उंसांनलीसुनद्रान
इअरिशया ॥ तपलगी
रूपफिरइ ॥ तेनउल
ष्या ॥

नेतेनइविरूउइसुंदरस्वन्नावकरीमांनेइ जिमवाघिणिआपणउ ढावाबा
लकसद्रनोलउअनइशांतकरीमांनइ ८४ मणिसूर्यकंतादिकसुव
स्तीरत्नकंबलादि धनबाह्यालक्ष्मी रमइतलइकरीघरपूरिइजंइ सा
लिसद्रइसिउंचीतवइ जउमादरइकोवलीआनरुखीमीठाऊरछइ ए
हवउंचीतवतउ विगतकांमविषयनीइस्पारहितजंउ ८५ कांइजंपुण

यए"सातेंसवावेइसुंदरसद्दावे"वग्गीछावंजणणी"सद्देसामेचमान्नइ"
"८४ मणिकणगरयणधणहरियं मि"त्तवणेमिसालिसद्दावि"आनकि
रंमइविसामिउंनि जाउविगयं करमो"८५ नकरिंतिजतवसंजमं
वं"तेउत्तयणिपयाणं"पुरिसा सेमपुरिसाणं अवस्सापसइणा
मुविंति ८६ सुंदरसुकुमालसु दाइएण"विविहदितवविसास
दि"तदासासाविउअप्पा जदनवि नाउसत्तवणवि ८७ दुक्करमुधास
करं अवेतिसुकुमालम इरिसीवरियं अप्पाविनामतिजाइंनिआहरयंएयं
नवोद्या ॥ पछइपोछांवलतांपूर्विलानवनीमातामहीयाराणी स्वामीनांमुखइनु
जाणी विरज्यापूरीयाइंतो वेन्नारशिरीऊपरिमासदिवसअणसणपाली ॥ बरइ
सवार्थसिधिइपजंता ॥ अवंतिसुकुमलिनऋषिनउंचरित्र ॥ महाडकरअनेरेकरइ
नहा सादासकरं आनरानइसो नलतांसयरिरोमंचउंकांउकरइ ॥ अणा० आ
पणइआत्मासयरइतिमकिमइछोडिउंजिमएआर्युकुउ ॥ उंजाणीइनद्रा आविका
नीयांशालाइ ॥ श्रीआर्यसुहस्मिसूरिरहा ॥ रात्रिइनलिनीगुलविमांनन्नअध्ययत

इउछउ ॥ अनइअन्न
लिकयुएइअधिक
तेहनणीराजाकह
वराइ नकरं जेपु
रषनपसंयमनक
रइंनपालइं जेपुरु
षतुपसंजमनकइं
हाथयागाजछइ ॥ व
लीसमानसरीषाअ
वयवाजदनइ ॥ ए
हवापुरुषअवस्यनि
अइं प्रषिदासयणं
पामं ८६ इसिउंचि
तवी श्रीशालिभद्री
कालीधी ॥ घणितेसा
लिसद्राकदवोछइ ॥
सुंद० सुंदरमनोन्म
रूपसुकुमालासु
षादित सुखिइला
लिनशरीरछइ ॥ एहवइ

ए२॥राजग्रहिमतार्य
ऋषिनिदानइकाजि
सोनारनइघरिपइठउ।
झसइश्रेणिकनइका
जिसोनारिश्रठान्तर
उपदेसमाल॥
सउ॥सोनाजवघडइ
छइ॥तेमुकीनिष्पावि
रावीवानइकाजिघरमा
हिजिउ॥तिसिइंक्राचपे
दीइंजवचुणा॥सोनार
निकादेईजउआवइत
उजवनादघइ॥सोनारि
मोहातमानीसंकाश्रांणी
पूछउ॥मनिदयालगीत
नकहइ॥सानारिमहत्मा
निघरमादिघालीनीलइ
वाह्रिमाथउंतिमबोधिउंजि
मश्रांषिनीकलीपडी॥म
हातमाकहइश्रहोश्रासुतउ
कवलज्ञानपोसामाहिंप

गुणतांनज्ञानइ॥बरइसांनलिउ॥जातिसमरणजपनउं॥णछलइन्नविहउंनलिनी
गुलविमानिदेवकुंतउं॥तमोपरिउं॥पछइबइठउंथई॥बत्रीसइकलत्रसंकीगुरुक
ऋइश्रावी॥दीक्षालईं॥कोधरिनावनमांदिजईअणसणकीधउ॥सुकमालन
णीमारगिजातो॥डान्नसीइकरीपागलोदीनीकालिउ॥तीणीगंधिइसीश्रात्मीएमा
हातमानउंसयरषाधउ॥मरीनलनीगुलविमानिदेवउंपनउं॥पहिलीपूठीनीक
था॥उंदूरु०ओडिउंसयरनइघरिछइजाहकिमा॥श्रात्मा·एजीवश्रान्नरउ।सय
ए ए उदूदसरीरघरा श्रात्माजीवाशरीरमन्नेति धर्मस्मकारणसुविदिया
सरीरंविछडुंति ए ए एगंदिवसंपिंज ॥वा पवछसुवागउ श्रन्नमाणी जर
विनपावइमुकं श्रवस्सविमा णिउदाइ ए ए सीसावाढणसिरं
मिवहिए निगायणिश्रछीणि एयछस्मलगवउ नएसामण
सावियरिक्खवाउ ए ए जोवेदणो णाबाहू श्रालिपइवासणावित्तछ
इसंघुणइजाश्रनिदेइमहसि णातछसमस्तावा एए सीदगिरिसु
सासाणं लहंगुरुवयणसद्दहंताणं वयणकिरदीवायणत्रि नविक्को
कतउं॥इमबीजमहातमाएकोपनकहिवउं॥जोकाएकवंदनिकरीसाधुनीबाजंलीपइ
श्रनइश्रानरुकोएकवांमलइकरीढुंढेदं एककोईमहतमानइंस्तुवइ॥एकाकाई
निंदाकरइ॥तेसघलाऊपरिमहाऋषिसमचावसमचित्त॥डिक्कइ॥ए२॥सीद
गिरिनाउत्तमशिष्यनइन्नइकल्याणहउ॥तोकहवाजादगुरुनउंववसद
दिउ॥किमगुरुकहिउंकिलइसिइसावइ॥वयरबलउ॥उच्चनइवाचनाद
सिंतहनुंकापिनगयुं॥ए३॥

नउंवचनतिमजिस
हृदिवउ॥
इसिउंचीतविवउं।
जउगुरुश्रादसदि
इछइ॥तउकारणिइ
ढाइवउं॥तवविचा
रगुरुजिजाणइ॥ए
पाजिशिष्यगुरुनउं
वचनकहिउंछंतउं
सावद्यवंकसूधइ
मनिलिइ॥तेहनइ
गुरुवचनजपधा
नीपरिइंपीजइंतो।
उसुषावहगुणका
रकजइ॥कर्म्म।
रागनिगमाउइ॥
ए६॥

अनुचर्त्तनाअनु
कूलपणइचाल
इ॥विनीतावा।
द्या॥अन्यछानो
दिकरइ॥वकु
णहाइरोषनध
रइ॥निद्या०।म
दागुरुनइविष
इश्रंतरंगसन्नि
वंतकइ॥वली
जेगुरुऊत्तवा
सनदीढांडइ॥
इस्यासूसीला।
श्रापपरनइसा।

मणि० गुरुशिष्यनइकहइतउंगणसमापश्रांगुलीइकरीमविवाश्रथवाश्रथवा
सायनादांतसमहहाथिइकीरागणि॥इशिष्यइढंइसिउंकहीगुरुनउंश्रादद
राकरइ॥स्यानणी॥काजरुडउपामूउंतगुरुजिजाणइं॥ए४॥कारणनाजा
णगुरुकिवारइकालाकागनइ॥स्वेतधउलउकागकहइ॥तउहइ॥तेगु

वियंवयणं एइ कारणविऊकयाई एसश्रंकायंवयंतिश्रायरीश्रा तेन
दंसहहियवे नवियहेकारणणंत दि ए ए मणिगाणसंगुत्तादिगाण
णिऊणं कहेउतएवजाणंति
तेंसावउविसुधमाणउसद्द
एहश्रणुवत्तगाविणीयावहलक
श्रमुइ॥धन्नासीसाइहसुसीला ए
उजीवंतस्सइहंजासा किंत्तियमयस्सपरलावधम्मा सगुणस्सनिगुणस्सय

माधिकारकऊइ॥तेशिष्यधन्य॥पुण्यवंतकहीइ॥ए७॥जोवइतांइई
हालाकित्तशिष्यनइ॥इहलोकिश्रयश॥मयाइपूंठइश्रकीर्त्ति।पर
लोकिअधर्मऊइ॥तीणइकरीकुगतिजाइ॥॥ए८॥

परितापनिंदाग्रणारू
पचित्तनउषदतिणि
करीनणुकदलूउइ
साध्धर ग्राध्धरसदि
ना जइकिमइअप्पम
उपदेसमाल ॥

त्रयणइतयसंयमन
इविधइ घणउद्य
मनकरइ जिमाश्रा
णिकमहाराज तेन
दंगतनीणइपरिग्रा
मनिंदादिकोनप्र
कारपश्चात्तपकर
तोउ मरापदिलइ
नरकि सीमंतइनरा
कावासइ ववरासी
सहस्सवरसनइ ग्रा
उषइनारकीहुउ॥
१९६॥

मइघर इतउनीकलीजिननउक्तोषिउंधर्म्मनकीधउंसिइकरीरिद्धिगारवशिक्षनीसं
पदा रसगारवमधुरादिक सातागारव साकोमलशय्यादिकनासुख १९२॥
तहनउगुरूपणउ तीणइकरीग्रायणउग्रात्मावतिउनहीमोहश्वाद्धियांजिका
लः थउं १९३॥ उसन्न०ग्रवसन्नसिथिलविहारिइकरीहइसिषिदि॥ सर्वेग्राऊषउं
दीणकायिगयइहुंतइ हुंग्रन्यैधेग्रन्नागाउं करिसु॥ संप्रतदिवडांग्रयणयउंसो
वियउंजिकरवउं ग्राऊंषइपतिइकांईनजइ॥ १९३॥ हाइसिइषदइ॥ हेजीवपापी

उमनविहारएणं दाजदुमाणमिग्रउएसाद्ध किंकदामिग्रदान्ना संपइसमा
ग्रामिग्रप्पाणएउ दाजावपाव समिदिसि जाईजाणसयाइबहूया
इंसवसयसदस्सदुलहणिजि णमयंएरिसेलधुणंथ पावाप्पमा
ग्रवसउ जावासंसारकंथ मुछेत्तादुक्कदिननिविन्ना सु
एवदिनावपरिचुग्रा १९५ परि तप्पिऊणतेणउ सादाणजइघणं
नउहमइ सणियरायातत्तदपरि तप्पंतागयेनरयं एहजावणजाणि
उविसिछियणिं जाईसएसुदहणि ग्रावहितउसयलेणि तिहूग्रणेदुछप

ईणइ० जीवियंचिलसावं जानिनसए जेसयरमंकाछइ॥ तजउथोडिलं
सयरएकठांकीजइ॥ तउसघलउंइ॥ त्रिचुवनपरिपूर्णनराइ॥ १९७॥

त्रेनमिसिफिरसि
कदांजाति एकेंद्रि
यादिकनायोनिजं
नीनादी प्रमुषात
दनांघणंसइसहू
स्त्रलाषत्रवनांसय
सहस्तातहुपूय
दादिलउजिनमतवी
तरागनउंधर्म्मलहू
नइ १९४॥ पापीजी
वप्रमादनइवसि
हुंतउं संसारइज
नोकाजनइविषश
उद्यमपरढइ ग्रन
इजीवकदीदुरक
हुंतउं ग्रनगउंन
थी ग्रनइ १९५ वसंसा
रनासुखकांकतल
इसंउषपूरउनथी
हुंउ॥ १९५॥

दूधएतलउंपीधउंछ
ग्रसंख्याताससुद्र
नांपाणीपादइंग्रधि
कउंछइ २०१ एजीव
नइग्रनंतीमाताज
इईणइजीविसंसार
मांदिग्रनंतउंकाल
विषयसुखकांमनो
गग्रनंतीवारंवार
पाम्योंतिनोगाकदा
वाढइंतान्नागउपा
न्नागकरीमदित ग्र
नंतीवारान्नागव्याछ
इंनउहइएजीवमन
मांदिविषयसुख
ग्रपूर्वदृष्टनीपरिमा
नइ जाणइकदीइंदी
ठानथी॥ कतालसु

ईणइजीविग्रनादिसंसारमांदिफिरतइं नरवदांतमांसाकेशग्रनइग्रस्थि जिए
भिलसावमूकियातजउएकठांमिलीइंतउंकेलाशनइमरूपर्वतनावचिला
कूरातसरीषाठिगलाजइ १९८॥ हिमवंतपर्वतमलयावलमेरूपर्वत ह्रीयउ
दधिसमुद्र धरणिपृथिवीएहजवडीराशिग्रंबारकीजइ॥ तहयादृशतग्रधिकत

पडिहछएए नहदंतमंसाकसठिएसु जीवणविप्पमुक्कसुतसुवि
दूविछकविलासमरूगिरिसनिहाकूउ एए दिमवंतमलयमंदर दी
वाददिधरणिसरिसरासीउ ग्र दिग्रयएग्राहारा छुदिएणाहारि
उहूग्रा एए जाग्रणजलेपा यंधमाग्रवजगडिएणतिप्पिइहंस
हूसुविग्रगडतलाय न इसमुद्दसुनविहूग्रा २०० पीयम
एयछीरसागरसलिलाउ हूग्रबहूग्रयरंससारंमिग्रणंतभा
ऊणंग्रनमनाणं २०१ पत्तायं कापत्तागाकालमणंतंइहंसउवला
गाग्रउवेपिवमन्नइतहवियजा वामाणसुरकं २०२ जाणइजदालागेहि
संपयासहसवधम्मफलं तहविदहमनहदियउ पावकाम्मजाणरमइ
एकरूपतनथी॥ २ एजीवजाणइसद्धातहषइ जउन्नागरूछिमंपदा ग्रानसुंइ
जिकोईरूउउंतमकूधर्म्मजिनउफलं तहपणितउहहरूगाढउंविषयकरी
मरूडमादितहदयथिकउं पापकर्त्तव्यइजिनइविषइरमइ ३॥

ಕಾಲಾಂತರದಲ್ಲಿ ಅವರ ಮಗ ಮಾಧವರಾಯನು ಕಾಲಕೆಳಗೆ ಬಿದ್ದು ಸತ್ತನು. ಆಗ ಅವರ ಸೊಸೆಯಾದ ಲಕ್ಷ್ಮಮ್ಮನು ಅತ್ತೆಯಾದ ಸೀತಮ್ಮನವರಿಗೆ ಹೇಳಿ ಕಳುಹಿಸಿದ್ದರಿಂದ ಸೀತಮ್ಮನವರು ಬಂದು ಲಕ್ಷ್ಮಮ್ಮನವರಿಗೆ ಸಮಾಧಾನ ಹೇಳಿ ಅವರ ಮಗಳಾದ ಸಾವಿತ್ರಮ್ಮನವರನ್ನು ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ಸಾಕಿ ಸಲಹಿದರು. ಸಾವಿತ್ರಮ್ಮನವರು ಬೆಳೆದು ದೊಡ್ಡವರಾದ ಮೇಲೆ ಅವರಿಗೆ ಮದುವೆಯಾಗಿ ಗಂಡನ ಮನೆಗೆ ಹೋದರು. ಸೀತಮ್ಮನವರು ಸಹ ಸ್ವಲ್ಪ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಸತ್ತರು. ಲಕ್ಷ್ಮಮ್ಮನವರು ಸಹ ಸ್ವಲ್ಪ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಸತ್ತರು. ಆಗ ಅವರ ಮಗಳಾದ ಸಾವಿತ್ರಮ್ಮನವರು ಬಂದು ಅವರ ಮಗಳಾದ ಲಕ್ಷ್ಮಮ್ಮನವರಿಗೆ ಸಮಾಧಾನ ಹೇಳಿ ಅವರ ಮಗಳಾದ ಸೀತಮ್ಮನವರನ್ನು ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ಸಾಕಿ ಸಲಹಿದರು. ಸೀತಮ್ಮನವರು ಬೆಳೆದು ದೊಡ್ಡವರಾದ ಮೇಲೆ ಅವರಿಗೆ ಮದುವೆಯಾಗಿ ಗಂಡನ ಮನೆಗೆ ಹೋದರು. ಸಾವಿತ್ರಮ್ಮನವರು ಸಹ ಸ್ವಲ್ಪ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಸತ್ತರು. ಸೀತಮ್ಮನವರು ಸಹ ಸ್ವಲ್ಪ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಸತ್ತರು. ಆಗ ಅವರ ಮಗಳಾದ ಲಕ್ಷ್ಮಮ್ಮನವರು ಬಂದು ಅವರ ಮಗಳಾದ ಸಾವಿತ್ರಮ್ಮನವರಿಗೆ ಸಮಾಧಾನ ಹೇಳಿ ಅವರ ಮಗಳಾದ ಲಕ್ಷ್ಮಮ್ಮನವರನ್ನು ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋಗಿ ಸಾಕಿ ಸಲಹಿದರು. ಲಕ್ಷ್ಮಮ್ಮನವರು ಬೆಳೆದು ದೊಡ್ಡವರಾದ ಮೇಲೆ ಅವರಿಗೆ ಮದುವೆಯಾಗಿ ಗಂಡನ ಮನೆಗೆ ಹೋದರು. ಸಾವಿತ್ರಮ್ಮನವರು ಸಹ ಸ್ವಲ್ಪ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಸತ್ತರು. ಲಕ್ಷ್ಮಮ್ಮನವರು ಸಹ ಸ್ವಲ್ಪ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಸತ್ತರು. ಆಗ ಅವರ ಮಗಳಾದ ಸೀತ

ઉપરોક્ત ગુનાની તપાસ દરમ્યાન આ કામે ફરીયાદી તરફે રજુ કરવામાં આવેલ પુરાવા તથા આરોપી તરફે રજુ કરવામાં આવેલ પુરાવા તથા

ಗಾಳಿಯ ಬಿಸುಪಿಗೆ ಮೈಯೊಡ್ಡಿ ಕುಳಿತಿದ್ದ ಅವಳ ಮನಸ್ಸು ಮಾತ್ರ ಅಲ್ಲಿರಲಿಲ್ಲ. ಅದು ಅಲ್ಲಿಂದ ಸಾವಿರಾರು ಮೈಲಿ ದೂರದಲ್ಲಿದ್ದ ಅಮೆರಿಕೆಯ ಒಂದು ಪುಟ್ಟ ಹಳ್ಳಿಯಲ್ಲಿ ಸುತ್ತಾಡುತ್ತಿತ್ತು. ಅಲ್ಲಿ ಅವಳ ಮಗಳು ಮತ್ತು ಅಳಿಯ ಇದ್ದರು. ಅಳಿಯ ಅಲ್ಲಿ ಒಂದು ಕಂಪನಿಯಲ್ಲಿ ಕೆಲಸ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದ. ಮಗಳು ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಇರುತ್ತಿದ್ದಳು. ಅವಳಿಗೆ ಒಂದು ಮಗು ಇತ್ತು. ಅವಳ ಮಗಳು ಮತ್ತು ಅಳಿಯ ಅಲ್ಲಿ ಒಂದು ಕಂಪನಿಯಲ್ಲಿ ಕೆಲಸ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದರ

नवविधबंभचेरगुत्तिधरो समाय उ गुरुपडितिविनय उ बारसविहतवोवहाणसत्तिजुत्तो
अणागयवयणो १० एतलोभालजणइविघडइघणेकरवडे एइसोजयणामहात्मा
निकहो एबालजीवनुकमइंकहिउ धुरिसमत्तिप्रकासइ ॥ जुगमात्रंचरिदिस्तूप्रमाणं
इष्टिदतउदीउइ पयं-पगिच्छमकाओछिकरीसाधतउपगडेकइ अहं-त्रीबदमूपा

रयुत्तासुसमायविणयतवसत्तिजय सजयणासुविहियाणं पयजुगमित्तरदिठी पयंश्चकुणविसादिंता अहसकिलाउन्ना इरियासमिउ मुणीदाइ एहकाहलासइला ।सं अणवद्यमकाराणनलासद्यं विगहविसुयत्रिपरिवद्धिउ यजइलासणासमिउ एउ बया लसमणाउ लोअणादासे यपंचसादइसाएसणा दु समिउ आजावीअन्नदादाइ ॥ एण पुविसुचेपरिकिय पमद्धि उजाउवइगिरुश्वा आयाणे डनिक्खवणाइ समिउमुणीदाइ एण उच्चारपासवणखेलजल्लसिघाण एयपाणविही सुविपईएपएस निसिरंतादाइतस्समिउ ३०० कोहमाणमाया लोभादा एसएईयंत्र

उच्चारवडीनातिरवलश्लेष्मा जल्ल०सयरनउंमल सिंघणानासिकानउंमल प्राणविमिद्धु णालदादिकजीवनाजद आनरुइजिकोईअशुभनातपाणी परठवेनायागजा ग उसुविवदितजीवरदितपादशिजिमहात्मासाधीपरठवइतपारिष्ठपनिकास मितिइसमिनउंकहीइ ॥ दिवाक्रोधदिकनउंखरुयकहइ॥ क्रोधमानमा यालोनहास्यरतिअरतिशोकनयडगंछा एसघलाइप्रत्यक्ष

कलिकलहरुपजाणिवा क्रोधनोपर्यायकहइ क्रोध१ कलह२ चार३ परस्यपरइकी जइतमभरधनुशि०क्रोधसदितप्रवंडपणइक्रोधतवंडकहीइ ६ अनुपशम७ क्रोधथिकउंमइलउसावजीवनइ क्रुइततोममनाव ८ क्रोधपूरितपणउआपणपांनइ क्रोधफूतउंमानापक्रुइतमंतोपकहीइ क्रोधथकउंअलगउंअणाइवउंतनिछे उनकहीइ ए क्रोधनउंवादिउ परनइनिर्नमंइ तेनिर्नमनकहीइ॥ १० क्रोधलगीपरा।

रईयसाणलयदुगंछापच्चरकलीइमसाद्य ३०१ कोहाकलहो स्वारा अवसप्परमठारांअणुसउय वेरत्तणमणुवसमो तामसत्ता वाअसनावा ३०२ निछाडणा निच्छण निराणुवत्तिपण अस वासाकयनासोअअसम्मं बेधइयणचिक्कणकम्म ३०३ माणामयदकाणपरिपरि वाउयअनउक्करिसा परपरि त्तावचियतहापरस्सनिंदा अस्सूयाय ३०४ हीलानिरावयरिजणं निरवणामयाअविण उय परगुणपछायणया जीव पाडंतिसंसार ३०५ मायाकुडंगपछन्न पावयाकुडकवडवंचणया स वसुअसन्नावा परनिरकवावदारुयाय ६ लोभासंवद्धयारसूत्र

सघलेइपलीकनाव ६ पारकीयंपणिअयदरइ एत्तणीपरनिक्कपावदार ७ परनइठलइएत्तणीठल ८ उउमयठदमकहीइ एमायाडंगदिलाईकरइत संख्यातिकर १० जिदनउंकर्त्तव्यनकर्त्तव्यनपरीठाइतेएंवारीकहीइ ११॥

दिकनइविघइमने
अणादेतउ आउ
न्नोजीवरक्षानणी
सावधानचकिउ
कहइ एहवइईयी
समतिवंतमुनिकुइ
दविलाषासमतिकं
तइउइ धर्मी
कोजिऊयनइत्तान्ना।
वचनाबालशकदि
विउ अनविज्ञाजी
णइबालिइपायनला
गइ अकारणकाजा
पाघइबालइनन
लावउ अनइनिस्वे
वणनांडनउंमिदि
लवउ तदनइविघ
इम २० मक्कवंत
कही इ डतेमुनि
इ

ईअनुवर्त्तनानकरइतन
रवत्तिचिकहीइ ११ ज्ञ
साथिक्रोधकुइतसाथि
नवइसइतिनणीअस
वास १२ क्रोधचडिउंजी
वपरनउंएयगारउंलव
इतेत्तणीजननास १३
क्रोधथिकइजीवनइ
समतानावइतत्तणी।
ग्राम्यकहीइ १४
एतलाक्रोधनाप्रकारत
उजीवगाढउवीकणइ
ज्ञानावरणीयादिकर्म
बांधइ दिवमान
नोविक्रमादनामकहे
इमान १ यात्यादिकम
द २ अहंकार ३ परय
शीवादज्ञानमोक्षर्थ ५ पर
परिनवा ६ पराईनिं
दा ७ अनइअस्सूया
८ मोमलगइयर

नइअवज्ञाकरइत
होलाकहीइ ए उंयगा
रदितयणउंतनिरया
कार १० मोनिचडिउं
जीवडानइनमइनहीं
तनिरवणामयाकही
इ ११ जिहांविनय
लोपाएतेअविनउ
कहीइ १२ यारकाय
णऊंकइ परगुणप्र
छादता १३ एतलोभां
ननोनोमजीवनइं
संसारमादिपाडइ
दिवमायानाजदा
बिक्रमादकहइ।
मदागहनन्नणीकडं
यकहीइं १ प्रछन्नपा
पकरइ तिणीप्रछ
न्नपापता २ कहइ
कवडकपटइ परन
इंवंचइएत्तणीवचना
५

वर्त्तइ तेणइ आयणए आसायथा स्खितउ लिखि उ कहीइ अनइ तजीउ मनुष्य राजादिका माहि मान नीकइ इ॥

उपदेसमाला॥

जिऊ बधीला खुरएइ लुजे गमातउ नइ प्रचंड गाडन दाडइ विषा। इ स्पासायनइ साथइ करी विघटइ॥ कूलाचइ उ तदूनइ जे चैउ ते तदूजसापहूंतउ जूंतविणा सकुइ। ति मराषाक्रोधनइ। एसा यनउ उपमा जाणवा॥ एणिकारणि जीवएजी वाक्रोधादिकउ दीएउ नासइ॥ ११ हिवइमा ननउ दृष्टंतकहीइ॥ जिअनाणमादीक टकतोनकालस

कुटिलमनो १२ वस्थासघातकरइ एतलामा यानाप्रकारेकीजता सवनाकाडिसएजा वविनडा १ विणाइए॥ ७॥ दवइलालननामविहूगादूकंदइ लासअधिकसंग्र हकरइ तेअतिसंचयसालता १ अतिलोभेरानाबहुलाईइ अनइवस्तुऊपरइ ममत्ता करइ ३ कत्यालागविवाजागपाजअन्नादिकालासनउवाहिउनथावरइ॥ तकल्प

यारन्नएं मईकुडिला सेवीलघाइएंपियं सवाकाडिसए सुविनडंति १ लालालाअइसंचयसालयाय किलठन्नएं अइममत्तेकप्पन्नमपरिला गानहविणाठअआरिस्लेए मु छायअइबहूधणालालयाय तआ वन्नावणायसयाबालंतिम दाघाए जरमरणमहासमुद्दमि ए एएसुजानवहिआतए अप्पाजहठिउनाउ तेमएुआ णमाणिणाद्दवाएविद्व यंदुहा १० जालासुरंलुयगं यंडजढाविसंविघाइइतउहि यत्तस्सातारासलुयंगुवमाणमि एं ११ जाआगालइमत्तेकयंतकालावमंवणगइंदेसातएंवि यछिछइमाणगइंदणइवुवमा १२ विसंविल्लिमहागहएं जा

रीसउ एसवउवाडिनउहाथउ॥ आलेइलिइतउरुसतीणइजहाथाइकादीइ॥ चूर्मकीजइ विणासइइसायरइमाननइ गाजेइनउतउपमाकहीइ जिमकाथाइचडिउजीव आयणएउ उचउदिसइ तिममानिचडिउ आयणएउसमाटउदिसइ १२ वइमायानउदृष्टंतकहिज इ॥ जिमविषावलिस्वरूपमहावनमहनातहमादिजपइसइ॥ एणितवनाकहवइ छइ॥ सानकूलविषवायस्यजिहाछइ॥ तहनउसिउअथीतहनीगंधइ॥ जानइस्पर्शिविस्करी

नपरिसोगी धानाहो वस्तुगयादिकविणठी वस्तुअंनादिकातहनइविषइ। मूलीतनगी आगछाराग नऊऊपजिवउ ५ वनी लालनइमूलीकहीइ। वलाअतिबहूधन लालता १ लालनइ सावइसादेवविन उलावगाद उडइ ते कूलेणातआवसावना ए एतलालालसनो प्रकारजरामरणरू पीयामहासमुद्दमा हिजा २० वनइबू लइ जाणा इहांतकषायनउनिग्र हकरइ॥ ए

वारआकारक्रोधादिकने इविषइराजालागवंतनि

ए अणकहीइ॥ २॥ हासरविइलेउ स्वश्रा कहीइ वातकरतायम अलंकारविन्नाषति दोरति॥ ३॥ कंदप्पसा मोन्यहासउं॥ ४॥ अव दस्सणं० आनरानइंद सिवउं॥ ५॥ एतलाबा लअणगारमहातमाप रअनरानइंनेकरइं साधुनइआपणाआता माऊंपरिसविनऊइं राषसपरनइताहिताय लागइ इमनवीतवइं स्वआपणासयनीज्ञान जाइनहीं॥ नयनइविष इअरतिनोगइ सुच्छि० सुच्छिनएन्नलउसाधु॥ इसीपरिआपणीवस्तीना प्रसंसाअनइअपूर्ववस्तु नइलांचिअतिहर्षनउप्र

कथनकरइ एतलाबोलसाधुमादिनकरइ॥ एतलइरतिघरकहिउं दिवसाधुनइअरतिनकरवी जेदविगलगारकथर्म्मथीचालिनउंविषयलागनइविषइजोनउंतरूप। आमयचित्तनउंरो गातअरणामयकहीइ॥ धर्म्मध्यानननइविषइविस्तरवएणउंतएपरमंतिकारतिगाढउंमनन उजादगकालिमनउविषयनोंलालयएणलगीतहनइअणांमिवइजचित्तनउंहोनइ

ಕಾಲಾಂತರದಲ್ಲಿ ಅವರ ಮಗ ಮಾಧವನು ಆ ಮನೆಯನ್ನು ಮಾರಿ ಹೊಸ ಮನೆಯನ್ನು ಕಟ್ಟಿಸಿದನು. ಆ ಹೊಸ ಮನೆಯ ಅಡಿಪಾಯ ತೋಡುವಾಗ ಹಳೆಯ ಮನೆಯ ಅವಶೇಷಗಳು ಸಿಕ್ಕವು. ಅವುಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದು ಕಲ್ಲಿನ ಪೆಟ್ಟಿಗೆಯಲ್ಲಿ ಚಿನ್ನದ ನಾಣ್ಯಗಳು ಮತ್ತು ಒಂದು ಹಳೆಯ ಓಲೆಗರಿಯ ಪತ್ರ ದೊರೆತವು. ಆ ಪತ್ರವನ್ನು ಓದಿದಾಗ ಅದು ಸುಬ್ಬಯ್ಯನವರು ಬರೆದಿಟ್ಟ ಉಯಿಲಾಗಿತ್ತು. ಅದರಲ್ಲಿ ಅವರು ತಮ್ಮ ಸಂಪತ್ತಿನ ಒಂದು ಭಾಗವನ್ನು ಊರಿನ ಶಾಲೆಗೆ ದಾನವಾಗಿ ನೀಡಿದ್ದರು. ಈ ವಿಷಯ ತಿಳಿದ ಮಾಧವನು ಆ ಹಣವನ್ನು ಶಾಲೆಗೆ ಕೊಡಲು ನಿರ್ಧರಿಸಿದನು. ಆದರೆ ಅಷ್ಟರಲ್ಲಿ ಶಾಲೆಯು ಬೇರೆ ಕಡೆಗೆ ಸ್ಥಳಾಂತರಗೊಂಡಿತ್ತು. ಕೊನೆಗೆ ಆ ಹಣದಿಂದ ಹಳೆಯ ಶಾಲೆಯ ಜಾಗದಲ್ಲಿ ಒಂದು ಗ್ರಂಥಾಲಯವನ್ನು ಸ್ಥಾಪಿಸಲಾಯಿತು. ಇಂದಿಗೂ ಆ ಗ್ರಂಥಾಲಯವು ಸುಬ್ಬಯ್ಯನವರ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಊರಿನ ಜನರಿಗೆ ಸೇವೆ ಸಲ್ಲಿಸುತ್ತಿದೆ.

3ब

ग्रहणकाल में स्नान करने से मनुष्य को सौ गुना पुण्य प्राप्त होता है। ग्रहण के समय दान देने से अक्षय फल मिलता है। ग्रहण के समय मंत्र जप करने से सिद्धि प्राप्त होती है। ग्रहण के समय भोजन करने से रोग उत्पन्न होते हैं। ग्रहण के समय सोने से दरिद्रता आती है। ग्रहण के समय मैथुन करने से संतान दोषयुक्त होती है। ग्रहण के समय मल-मूत्र त्याग करने से नरक की प्राप्ति होती है। ग्रहण के समय तेल लगाने से व्याधि होती है। ग्रहण के समय केश कटवाने से आयु क्षीण होती है। ग्रहण के समय नख काटने से धन नष्ट होता है। ग्रहण के समय क्रोध करने से पाप लगता है। ग्रहण के समय झूठ बोलने से वाणी दोषयुक्त होती है। ग्रहण के समय चुगली करने से मित्र शत्रु बन जाते हैं। ग्रहण के समय व्यसन करने से बुद्धि भ्रष्ट होती है। ग्रहण के समय आलस्य करने से लक्ष्मी रूठती है। ग्रहण के समय विलास करने से वंश नष्ट होता है। ग्रहण के समय अहंकार करने से ज्ञान नष्ट होता है। ग्रहण के समय लोभ करने से कीर्ति नष्ट होती है। ग्रहण के समय मोह करने से विवेक नष्ट होता है। ग्रहण के समय ईर्ष्या करने से मित्र शत्रु बन जाते हैं। ग्रहण के समय द्वेष करने से वंश नष्ट होता है। ग्रहण के समय वैर करने से कुल नष्ट होता है। ग्रहण के समय हिंसा करने से पाप लगता है। ग्रहण के समय चोरी करने से दरिद्रता आती है। ग्रहण के समय व्यभिचार करने से रोग उत्पन्न होते हैं। ग्रहण के समय मद्यपान करने से बुद्धि भ्रष्ट होती है। ग्रहण के समय मांसाहार करने से पाप लगता है। ग्रहण के समय अभक्ष्य भक्षण करने से रोग उत्पन्न होते हैं। ग्रहण के समय अपेय पान करने से बुद्धि भ्रष्ट होती है। ग्रहण के समय अकृत्य करने से पाप लगता है। ग्रहण के समय कुकृत्य करने से नरक की प्राप्ति होती है। ग्रहण के समय दुष्कृत्य करने से दरिद्रता आती है। ग्रहण के समय पापकर्म करने से रोग उत्पन्न होते हैं। ग्रहण के समय अधर्म करने से बुद्धि भ्रष्ट होती है। ग्रहण के समय अन्याय करने से पाप लगता है। ग्रहण के समय अत्याचार करने से नरक की प्राप्ति होती है। ग्रहण के समय दुराचार करने से दरिद्रता आती है। ग्रहण के समय भ्रष्टाचार करने से रोग उत्पन्न होते हैं। ग्रहण के समय व्यभिचार करने से बुद्धि भ्रष्ट होती है। ग्रहण के समय बलात्कार करने से पाप लगता है। ग्रहण के समय हत्या करने से नरक की प्राप्ति होती है। ग्रहण के समय आत्महत्या करने से दरिद्रता आती है। ग्रहण के समय गर्भपात करने से रोग उत्पन्न होते हैं। ग्रहण के समय भ्रूणहत्या करने से बुद्धि भ्रष्ट होती है। ग्रहण के समय शिशुहत्या करने से पाप लगता है। ग्रहण के समय बालहत्या करने से नरक की प्राप्ति होती है। ग्रहण के समय कन्याहत्या करने से दरिद्रता आती है। ग्रहण के समय स्त्रीहत्या करने से रोग उत्पन्न होते हैं। ग्रहण के समय पुरुषहत्या करने से बुद्धि भ्रष्ट होती है। ग्रहण के समय वृद्धहत्या करने से पाप लगता है। ग्रहण के समय गुरुहत्या करने से नरक की प्राप्ति होती है। ग्रहण के समय ब्रह्महत्या करने से दरिद्रता आती है। ग्रहण के समय गोहत्या करने से रोग उत्पन्न होते हैं। ग्रहण के समय देवहत्या करने से बुद्धि भ्रष्ट होती है। ग्रहण के समय पितृहत्या करने से पाप लगता है। ग्रहण के समय मातृहत्या करने से नरक की प्राप्ति होती है। ग्रहण के समय पितृहत्या करने से दरिद्रता आती है। ग्रहण के समय मातृहत्या करने से रोग उत्पन्न होते हैं। ग्रहण के समय आत्महत्या करने से बुद्धि भ्रष्ट होती है। ग्रहण के समय ब्रह्महत्या करने से पाप लगता है। ग्रहण के समय गोहत्या करने से नरक की प्राप्ति होती है। ग्रहण के समय देवहत्या करने से दरिद्रता आती है। ग्रहण के समय पितृहत्या करने से रोग उत्पन्न होते हैं। ग्रहण के समय मातृहत्या करने से बुद्धि भ्रष्ट होती है। ग्रहण के समय आत्महत्या करने से पाप लगता है। ग्रहण के समय ब्रह्महत्या करने से नरक की प्राप्ति होती है। ग्रहण के समय गोहत्या करने से दरिद्रता आती है। ग्रहण के समय देवहत्या करने से रोग उत्पन्न होते हैं। ग्रहण के समय पितृहत्या करने से बुद्धि भ्रष्ट होती है। ग्रहण के समय मातृहत्या करने से पाप लगता है। ग्रहण के समय आत्महत्या करने से नरक की प्राप्ति होती है। ग्रहण के समय ब्रह्महत्या करने से दरिद्रता आती है। ग्रहण के समय गोहत्या करने से रोग उत्पन्न होते हैं। ग्रहण के समय देवहत्या करने से बुद्धि भ्रष्ट होती है। ग्रहण के समय पितृहत्या करने से पाप लगता है। ग्रहण के समय मातृहत्या करने से नरक की प्राप्ति होती है। ग्रहण के समय आत्महत्या करने से दरिद्रता आती है। ग्रहण के समय ब्रह्महत्या करने से रोग उत्पन्न होते हैं। ग्रहण के समय गोहत्या करने से बुद्धि भ्रष्ट होती है। ग्रहण के समय देवहत्या करने से पाप लगता है। ग्रहण के समय पितृहत्या करने से नरक की प्राप्ति होती है। ग्रहण के समय मातृहत्या करने से दरिद्रता आती है। ग्रहण के समय आत्महत्या करने से रोग उत्पन्न होते हैं। ग्रहण के समय ब्रह्महत्या करने से बुद्धि भ्रष्ट होती है। ग्रहण के समय गोहत्या करने से पाप लगता है। ग्रहण के समय देव

ಕಾಲಾವಕಾಶ ಕೊಡಬೇಕು. ಅಲ್ಲಿಯವರೆಗೆ ಕಾಯಲು ಸಿದ್ಧರಿದ್ದೇವೆ. ಆದರೆ ಅಷ್ಟರೊಳಗೆ ಸಮಸ್ಯೆ ಬಗೆಹರಿಯದಿದ್ದರೆ ಮಾತ್ರ ಹೋರಾಟ ಅನಿವಾರ್ಯ. ಅಂಥ ಪರಿಸ್ಥಿತಿ ಬಂದರೆ ಅದಕ್ಕೆ ಸರ್ಕಾರವೇ ಹೊಣೆಯಾಗಬೇಕಾಗುತ್ತದೆ ಎಂದು ಎಚ್ಚರಿಸಿದರು.

ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಸಂಘದ ಪದಾಧಿಕಾರಿಗಳಾದ ಕೆ.ಎಸ್. ಪುಟ್ಟಸ್ವಾಮಿ, ಎಂ.ಜಿ. ಲಕ್ಷ್ಮಣ್, ಸಿ.ಆರ್. ಮಂಜುಳಾ, ಬಿ.ಟಿ. ಸೋಮಶೇಖರ್, ಎಚ್.ಕೆ. ಜಯರಾಮ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಗೋಪಾಲಕೃಷ್ಣ, ಎಂ.ಎಸ್. ಶಾರದಾ, ಜಿ.ಪಿ. ಮುನಿರಾಜು, ಎನ್.ಡಿ. ಚಂದ್ರಶೇಖರ್, ಕೆ.ಎಂ. ಸುಧಾಕರ್, ಟಿ.ಜಿ. ಪ್ರಭಾವತಿ, ಎಸ್.ಆರ್. ಹೇಮಂತ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಯಮುನಾ, ಎಂ.ಕೆ. ಶಿವಕುಮಾರ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಅನಂತರಾಮು, ಎಚ್.ಟಿ. ಗಂಗಾಧರ್, ಕೆ.ಎಸ್. ಪದ್ಮಾವತಿ, ಎಂ.ಜಿ. ಶ್ರೀನಿವಾಸ್, ಟಿ.ಕೆ. ಮಂಜುನಾಥ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಕೃಷ್ಣಮೂರ್ತಿ, ಬಿ.ಎಚ್. ಪ್ರಕಾಶ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಸುಮಿತ್ರಾ, ಜಿ.ಆರ್. ಹರೀಶ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಮಹೇಶ್, ಟಿ.ಎಂ. ಕಾವೇರಿ, ಎಸ್.ಕೆ. ಭಾಸ್ಕರ್, ಎಂ.ಆರ್. ಸೀತಾರಾಮ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಜಯಲಕ್ಷ್ಮಿ, ಎಚ್.ಜಿ. ರಮೇಶ್, ಟಿ.ಎಸ್. ನಾಗರಾಜ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಲಲಿತಾ, ಜಿ.ಎಸ್. ಶಿವಪ್ರಸಾದ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಗಣೇಶ್, ಟಿ.ಆರ್. ಸುಬ್ರಹ್ಮಣ್ಯ, ಎಸ್.ಎಸ್. ಪಾರ್ವತಮ್ಮ, ಬಿ.ಜಿ. ಕೃಷ್ಣಪ್ಪ, ಎಂ.ಎಚ್. ರಾಮಯ್ಯ, ಜಿ.ಟಿ. ವೀರೇಶ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಶೋಭಾ, ಟಿ.ಎಂ. ಹನುಮಂತಪ್ಪ, ಎಸ್.ಆರ್. ಗೌರಮ್ಮ, ಬಿ.ಎಸ್. ಚಂದ್ರಪ್ಪ, ಎಂ.ಜಿ. ಅಶ್ವತ್ಥಪ್ಪ, ಜಿ.ಎಚ್. ತಿಮ್ಮಯ್ಯ, ಎಚ್.ಟಿ. ಬೋರೇಗೌಡ, ಟಿ.ಎಸ್. ಲಕ್ಷ್ಮೀದೇವಿ, ಎಸ್.ಎಂ. ಪುಟ್ಟರಾಜು, ಬಿ.ಆರ್. ಅಂಬೇಡ್ಕರ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಗಾಂಧಿ, ಜಿ.ಎಸ್. ನೆಹರೂ, ಎಚ್.ಎಂ. ಪಟೇಲ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಶಾಸ್ತ್ರಿ, ಎಸ್.ಎಸ್. ಬೋಸ್, ಬಿ.ಜಿ. ತಿಲಕ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಜಿನ್ನಾ, ಜಿ.ಟಿ. ಆಜಾದ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಭಗತ್, ಟಿ.ಎಂ. ರಾಜಗುರು, ಎಸ್.ಆರ್. ಸುಖದೇವ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಚಂದ್ರಶೇಖರ್, ಎಂ.ಜಿ. ಆಜಾದ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಬಿಸ್ಮಿಲ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಅಶ್ಫಾಕ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಉಲ್ಲಾ, ಎಸ್.ಎಂ. ಖಾನ್, ಬಿ.ಆರ್. ಪಠಾಣ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಶೇಖ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಮಿರ್ಜಾ, ಎಚ್.ಎಂ. ಬೇಗ್, ಟಿ.ಎಂ. ಅಲಿ, ಎಸ್.ಎಸ್. ಹುಸೇನ್, ಬಿ.ಜಿ. ಅಹ್ಮದ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಷರೀಫ್, ಜಿ.ಟಿ. ಸಾಬ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಜಾನ್, ಟಿ.ಎಂ. ಪೀಟರ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಪಾಲ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಥಾಮಸ್, ಎಂ.ಜಿ. ಜೋಸೆಫ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಡೇವಿಡ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಸ್ಯಾಮ್ಯುಯೆಲ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಜಾರ್ಜ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಕುರಿಯನ್, ಬಿ.ಆರ್. ಮ್ಯಾಥ್ಯೂ, ಎಂ.ಎಸ್. ಜಾಕೋಬ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಇಸಾಕ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಅಬ್ರಹಾಂ, ಟಿ.ಎಂ. ಲೂಕ್, ಎಸ್.ಎಸ್. ಮಾರ್ಕ್, ಬಿ.ಜಿ. ಜಾನ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಪೀಟರ್, ಜಿ.ಟಿ. ಪಾಲ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಟಿ.ಎಂ. ಥಾಮಸ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಬಿ.ಎಸ್. ಫಿಲಿಪ್, ಎಂ.ಜಿ. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಜಿ.ಎಚ್. ಸೈಮನ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಜುದಾಸ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಜೇಮ್ಸ್, ಬಿ.ಆರ್. ಜಾನ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಪೀಟರ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಪಾಲ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಥಾಮಸ್, ಟಿ.ಎಂ. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಎಸ್.ಎಸ್. ಫಿಲಿಪ್, ಬಿ.ಜಿ. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಎಂ.ಎಚ್. ಸೈಮನ್, ಜಿ.ಟಿ. ಜುದಾಸ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಟಿ.ಎಂ. ಜೇಮ್ಸ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಜಾನ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಪೀಟರ್, ಎಂ.ಜಿ. ಪಾಲ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಥಾಮಸ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಟಿ.ಎಸ್. ಫಿಲಿಪ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಬಿ.ಆರ್. ಸೈಮನ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಜುದಾಸ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಜೇಮ್ಸ್, ಟಿ.ಎಂ. ಜಾನ್, ಎಸ್.ಎಸ್. ಪೀಟರ್, ಬಿ.ಜಿ. ಪಾಲ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಥಾಮಸ್, ಜಿ.ಟಿ. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಎಚ್.ಎಸ್. ಫಿಲಿಪ್, ಟಿ.ಎಂ. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಎಸ್.ಆರ್. ಸೈಮನ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಜುದಾಸ್, ಎಂ.ಜಿ. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಜಾನ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಪೀಟರ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಪಾಲ್, ಬಿ.ಆರ್. ಥಾಮಸ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಜಿ.ಎಸ್. ಫಿಲಿಪ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಟಿ.ಎಂ. ಸೈಮನ್, ಎಸ್.ಎಸ್. ಜುದಾಸ್, ಬಿ.ಜಿ. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಜಿ.ಟಿ. ಜಾನ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಪೀಟರ್, ಟಿ.ಎಂ. ಪಾಲ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಥಾಮಸ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಎಂ.ಜಿ. ಫಿಲಿಪ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಎಚ್.ಟಿ. ಸೈಮನ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಜುದಾಸ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಬಿ.ಆರ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಜಾನ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಪೀಟರ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಪಾಲ್, ಟಿ.ಎಂ. ಥಾಮಸ್, ಎಸ್.ಎಸ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಬಿ.ಜಿ. ಫಿಲಿಪ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಜಿ.ಟಿ. ಸೈಮನ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಜುದಾಸ್, ಟಿ.ಎಂ. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಜಾನ್, ಎಂ.ಜಿ. ಪೀಟರ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಪಾಲ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಥಾಮಸ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಎಸ್.ಎಂ. ಫಿಲಿಪ್, ಬಿ.ಆರ್. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಎಂ.ಎಸ್. ಸೈಮನ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಜುದಾಸ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಟಿ.ಎಂ. ಜೇಮ್ಸ್, ಎಸ್.ಎಸ್. ಜಾನ್, ಬಿ.ಜಿ. ಪೀಟರ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಪಾಲ್, ಜಿ.ಟಿ. ಥಾಮಸ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಟಿ.ಎಂ. ಫಿಲಿಪ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಬಿ.ಎಸ್. ಸೈಮನ್, ಎಂ.ಜಿ. ಜುದಾಸ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಜೇಮ್ಸ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಜಾನ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಪೀಟರ್, ಬಿ.ಆರ್. ಪಾಲ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಥಾಮಸ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಎಚ್.ಎಂ. ಫಿಲಿಪ್, ಟಿ.ಎಂ. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಎಸ್.ಎಸ್. ಸೈಮನ್, ಬಿ.ಜಿ. ಜುದಾಸ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಜಿ.ಟಿ. ಜೇಮ್ಸ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಜಾನ್, ಟಿ.ಎಂ. ಪೀಟರ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಪಾಲ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಥಾಮಸ್, ಎಂ.ಜಿ. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಜಿ.ಎಚ್. ಫಿಲಿಪ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಟಿ.ಎಸ್. ಸೈಮನ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಜುದಾಸ್, ಬಿ.ಆರ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಜಾನ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಪೀಟರ್, ಟಿ.ಎಂ. ಪಾಲ್, ಎಸ್.ಎಸ್. ಥಾಮಸ್, ಬಿ.ಜಿ. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಎಂ.ಎಚ್. ಫಿಲಿಪ್, ಜಿ.ಟಿ. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಎಚ್.ಎಸ್. ಸೈಮನ್, ಟಿ.ಎಂ. ಜುದಾಸ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಎಂ.ಜಿ. ಜಾನ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಪೀಟರ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಪಾಲ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಥಾಮಸ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಬಿ.ಆರ್. ಫಿಲಿಪ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಜಿ.ಎಸ್. ಸೈಮನ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಜುದಾಸ್, ಟಿ.ಎಂ. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಎಸ್.ಎಸ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಬಿ.ಜಿ. ಜಾನ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಪೀಟರ್, ಜಿ.ಟಿ. ಪಾಲ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಥಾಮಸ್, ಟಿ.ಎಂ. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಎಸ್.ಆರ್. ಫಿಲಿಪ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಎಂ.ಜಿ. ಸೈಮನ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಜುದಾಸ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಜಾನ್, ಬಿ.ಆರ್. ಪೀಟರ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಪಾಲ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಥಾಮಸ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಟಿ.ಎಂ. ಫಿಲಿಪ್, ಎಸ್.ಎಸ್. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಬಿ.ಜಿ. ಸೈಮನ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಜುದಾಸ್, ಜಿ.ಟಿ. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಟಿ.ಎಂ. ಜಾನ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಪೀಟರ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಪಾಲ್, ಎಂ.ಜಿ. ಥಾಮಸ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಎಚ್.ಟಿ. ಫಿಲಿಪ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಎಸ್.ಎಂ. ಸೈಮನ್, ಬಿ.ಆರ್. ಜುದಾಸ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಜಾನ್, ಟಿ.ಎಂ. ಪೀಟರ್, ಎಸ್.ಎಸ್. ಪಾಲ್, ಬಿ.ಜಿ. ಥಾಮಸ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಜಿ.ಟಿ. ಫಿಲಿಪ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಟಿ.ಎಂ. ಸೈಮನ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಜುದಾಸ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಎಂ.ಜಿ. ಜೇಮ್ಸ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಜಾನ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಪೀಟರ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಪಾಲ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಥಾಮಸ್, ಬಿ.ಆರ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಎಂ.ಎಸ್. ಫಿಲಿಪ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಎಚ್.ಎಂ. ಸೈಮನ್, ಟಿ.ಎಂ. ಜುದಾಸ್, ಎಸ್.ಎಸ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಬಿ.ಜಿ. ಜೇಮ್ಸ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಜಾನ್, ಜಿ.ಟಿ. ಪೀಟರ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಪಾಲ್, ಟಿ.ಎಂ. ಥಾಮಸ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಬಿ.ಎಸ್. ಫಿಲಿಪ್, ಎಂ.ಜಿ. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಜಿ.ಎಚ್. ಸೈಮನ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಜುದಾಸ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಜೇಮ್ಸ್, ಬಿ.ಆರ್. ಜಾನ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಪೀಟರ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಪಾಲ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಥಾಮಸ್, ಟಿ.ಎಂ. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಎಸ್.ಎಸ್. ಫಿಲಿಪ್, ಬಿ.ಜಿ. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಎಂ.ಎಚ್. ಸೈಮನ್, ಜಿ.ಟಿ. ಜುದಾಸ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಟಿ.ಎಂ. ಜೇಮ್ಸ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಜಾನ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಪೀಟರ್, ಎಂ.ಜಿ. ಪಾಲ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಥಾಮಸ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಟಿ.ಎಸ್. ಫಿಲಿಪ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಬಿ.ಆರ್. ಸೈಮನ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಜುದಾಸ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಜೇಮ್ಸ್, ಟಿ.ಎಂ. ಜಾನ್, ಎಸ್.ಎಸ್. ಪೀಟರ್, ಬಿ.ಜಿ. ಪಾಲ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಥಾಮಸ್, ಜಿ.ಟಿ. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಎಚ್.ಎಸ್. ಫಿಲಿಪ್, ಟಿ.ಎಂ. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಎಸ್.ಆರ್. ಸೈಮನ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಜುದಾಸ್, ಎಂ.ಜಿ. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಜಾನ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಪೀಟರ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಪಾಲ್, ಬಿ.ಆರ್. ಥಾಮಸ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಜಿ.ಎಸ್. ಫಿಲಿಪ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಟಿ.ಎಂ. ಸೈಮನ್, ಎಸ್.ಎಸ್. ಜುದಾಸ್, ಬಿ.ಜಿ. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಜಿ.ಟಿ. ಜಾನ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಪೀಟರ್, ಟಿ.ಎಂ. ಪಾಲ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಥಾಮಸ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಎಂ.ಜಿ. ಫಿಲಿಪ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಎಚ್.ಟಿ. ಸೈಮನ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಜುದಾಸ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಬಿ.ಆರ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಜಾನ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಪೀಟರ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಪಾಲ್, ಟಿ.ಎಂ. ಥಾಮಸ್, ಎಸ್.ಎಸ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಬಿ.ಜಿ. ಫಿಲಿಪ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಜಿ.ಟಿ. ಸೈಮನ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಜುದಾಸ್, ಟಿ.ಎಂ. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಜಾನ್, ಎಂ.ಜಿ. ಪೀಟರ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಪಾಲ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಥಾಮಸ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಎಸ್.ಎಂ. ಫಿಲಿಪ್, ಬಿ.ಆರ್. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಎಂ.ಎಸ್. ಸೈಮನ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಜುದಾಸ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಟಿ.ಎಂ. ಜೇಮ್ಸ್, ಎಸ್.ಎಸ್. ಜಾನ್, ಬಿ.ಜಿ. ಪೀಟರ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಪಾಲ್, ಜಿ.ಟಿ. ಥಾಮಸ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಟಿ.ಎಂ. ಫಿಲಿಪ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಬಿ.ಎಸ್. ಸೈಮನ್, ಎಂ.ಜಿ. ಜುದಾಸ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಜೇಮ್ಸ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಜಾನ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಪೀಟರ್, ಬಿ.ಆರ್. ಪಾಲ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಥಾಮಸ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಎಚ್.ಎಂ. ಫಿಲಿಪ್, ಟಿ.ಎಂ. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಎಸ್.ಎಸ್. ಸೈಮನ್, ಬಿ.ಜಿ. ಜುದಾಸ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಜಿ.ಟಿ. ಜೇಮ್ಸ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಜಾನ್, ಟಿ.ಎಂ. ಪೀಟರ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಪಾಲ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಥಾಮಸ್, ಎಂ.ಜಿ. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಜಿ.ಎಚ್. ಫಿಲಿಪ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಟಿ.ಎಸ್. ಸೈಮನ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಜುದಾಸ್, ಬಿ.ಆರ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಜಾನ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಪೀಟರ್, ಟಿ.ಎಂ. ಪಾಲ್, ಎಸ್.ಎಸ್. ಥಾಮಸ್, ಬಿ.ಜಿ. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಎಂ.ಎಚ್. ಫಿಲಿಪ್, ಜಿ.ಟಿ. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಎಚ್.ಎಸ್. ಸೈಮನ್, ಟಿ.ಎಂ. ಜುದಾಸ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಎಂ.ಜಿ. ಜಾನ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಪೀಟರ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಪಾಲ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಥಾಮಸ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಬಿ.ಆರ್. ಫಿಲಿಪ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಜಿ.ಎಸ್. ಸೈಮನ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಜುದಾಸ್, ಟಿ.ಎಂ. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಎಸ್.ಎಸ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಬಿ.ಜಿ. ಜಾನ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಪೀಟರ್, ಜಿ.ಟಿ. ಪಾಲ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಥಾಮಸ್, ಟಿ.ಎಂ. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಎಸ್.ಆರ್. ಫಿಲಿಪ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಎಂ.ಜಿ. ಸೈಮನ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಜುದಾಸ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಜಾನ್, ಬಿ.ಆರ್. ಪೀಟರ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಪಾಲ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಥಾಮಸ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಟಿ.ಎಂ. ಫಿಲಿಪ್, ಎಸ್.ಎಸ್. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಬಿ.ಜಿ. ಸೈಮನ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಜುದಾಸ್, ಜಿ.ಟಿ. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಟಿ.ಎಂ. ಜಾನ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಪೀಟರ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಪಾಲ್, ಎಂ.ಜಿ. ಥಾಮಸ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಎಚ್.ಟಿ. ಫಿಲಿಪ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಎಸ್.ಎಂ. ಸೈಮನ್, ಬಿ.ಆರ್. ಜುದಾಸ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಜಾನ್, ಟಿ.ಎಂ. ಪೀಟರ್, ಎಸ್.ಎಸ್. ಪಾಲ್, ಬಿ.ಜಿ. ಥಾಮಸ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಜಿ.ಟಿ. ಫಿಲಿಪ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಟಿ.ಎಂ. ಸೈಮನ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಜುದಾಸ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಎಂ.ಜಿ. ಜೇಮ್ಸ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಜಾನ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಪೀಟರ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಪಾಲ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಥಾಮಸ್, ಬಿ.ಆರ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಎಂ.ಎಸ್. ಫಿಲಿಪ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಎಚ್.ಎಂ. ಸೈಮನ್, ಟಿ.ಎಂ. ಜುದಾಸ್, ಎಸ್.ಎಸ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಬಿ.ಜಿ. ಜೇಮ್ಸ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಜಾನ್, ಜಿ.ಟಿ. ಪೀಟರ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಪಾಲ್, ಟಿ.ಎಂ. ಥಾಮಸ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಬಿ.ಎಸ್. ಫಿಲಿಪ್, ಎಂ.ಜಿ. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಜಿ.ಎಚ್. ಸೈಮನ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಜುದಾಸ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಜೇಮ್ಸ್, ಬಿ.ಆರ್. ಜಾನ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಪೀಟರ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಪಾಲ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಥಾಮಸ್, ಟಿ.ಎಂ. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಎಸ್.ಎಸ್. ಫಿಲಿಪ್, ಬಿ.ಜಿ. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಎಂ.ಎಚ್. ಸೈಮನ್, ಜಿ.ಟಿ. ಜುದಾಸ್, ಎಚ್.ಎಸ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಟಿ.ಎಂ. ಜೇಮ್ಸ್, ಎಸ್.ಆರ್. ಜಾನ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಪೀಟರ್, ಎಂ.ಜಿ. ಪಾಲ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಥಾಮಸ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಟಿ.ಎಸ್. ಫಿಲಿಪ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಬಿ.ಆರ್. ಸೈಮನ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಜುದಾಸ್, ಜಿ.ಎಸ್. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಎಚ್.ಎಂ. ಜೇಮ್ಸ್, ಟಿ.ಎಂ. ಜಾನ್, ಎಸ್.ಎಸ್. ಪೀಟರ್, ಬಿ.ಜಿ. ಪಾಲ್, ಎಂ.ಎಚ್. ಥಾಮಸ್, ಜಿ.ಟಿ. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಎಚ್.ಎಸ್. ಫಿಲಿಪ್, ಟಿ.ಎಂ. ಆಂಡ್ರ್ಯೂ, ಎಸ್.ಆರ್. ಸೈಮನ್, ಬಿ.ಎಸ್. ಜುದಾಸ್, ಎಂ.ಜಿ. ಮ್ಯಾಥಿಯಸ್, ಜಿ.ಎಚ್. ಜೇಮ್ಸ್, ಎಚ್.ಟಿ. ಜಾನ್, ಟಿ.ಎಸ್. ಪೀಟರ್, ಎಸ್.ಎಂ. ಪಾಲ್, ಬಿ.ಆರ್. ಥಾಮಸ್, ಎಂ.ಎಸ್. ಬಾರ್ತಲೋಮಿಯು, ಜಿ

ಸಂಸ್ಥೆಯ ಸಂಸ್ಥಾಪಕರಾದ ಶ್ರೀ ಎಂ. ಎಸ್. ಪಾಟೀಲರ ಜನ್ಮದಿನವನ್ನು ಪ್ರತಿ ವರ್ಷ ಆಚರಿಸಲಾಗುತ್ತಿದೆ. ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಹಿರಿಯ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ಸನ್ಮಾನ ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಈ ವರ್ಷ ಸುಮಾರು ೧೨೫ ಹಿರಿಯ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ಸೇರಿದ್ದರು. ಅವರಲ್ಲಿ ಅನೇಕರು ಇಂಜಿನಿಯರ್‌ಗಳು, ವೈದ್ಯರು, ಶಿಕ್ಷಕರು ಮತ್ತು ಉದ್ಯಮಿಗಳಾಗಿದ್ದಾರೆ. ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ಅವರು ತಮ್ಮ ಅನುಭವಗಳನ್ನು ಹಂಚಿಕೊಂಡರು. ಕೆಲವರು ಶಾಲೆಗೆ ಕಂಪ್ಯೂಟರ್‌ಗಳನ್ನು ಕೊಡುಗೆಯಾಗಿ ನೀಡಿದರು. ಒಬ್ಬ ಹಿರಿಯ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿನಿ ಶಾಲೆಯ ಗ್ರಂಥಾಲಯಕ್ಕೆ ೫೦೦ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ದಾನ ಮಾಡಿದರು. ಮುಖ್ಯೋಪಾಧ್ಯಾಯರು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಧನ್ಯವಾದ ಅರ್ಪಿಸಿದರು. ಸಂಜೆ ಸಾಂಸ್ಕೃತಿಕ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಗಳು ನಡೆದವು. ಹಳೆಯ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ಒಟ್ಟಿಗೆ ಊಟ ಮಾಡಿದರು. ಅನೇಕರು ಬಹಳ ವರ್ಷಗಳ ನಂತರ ಭೇಟಿಯಾಗಿ ಸಂತೋಷಪಟ್ಟರು. ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದ ಫೋಟೋಗಳನ್ನು ಶಾಲೆಯ ಜಾಲತಾಣದಲ್ಲಿ ಹಾಕಲಾಗಿದೆ. ಮುಂದಿನ ವರ್ಷ ಇನ್ನಷ್ಟು ಹಿರಿಯ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ಬರಲಿದ್ದಾರೆ. ಸಂಸ್ಥೆಯ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಗೆ ಹಳೆಯ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳ ಸಹಕಾರ ಅತ್ಯಗತ್ಯ. ಸಂಸ್ಥೆಯ ಆಡಳಿತ ಮಂಡಳಿಯು ಈ ಸಹಕಾರವನ್ನು ಸ್ವಾಗತಿಸುತ್ತದೆ. ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದ ಯಶಸ್ಸಿಗೆ ಶ್ರಮಿಸಿದ ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಧನ್ಯವಾದಗಳು.

ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದ ಮುಖ್ಯ ಅತಿಥಿಯಾಗಿ ಡಾ. ಸುಮಿತ್ರಾ ಕುಲಕರ್ಣಿ ಅವರು ಆಗಮಿಸಿದ್ದರು. ಅವರು ಮಾತನಾಡಿ, ಶಿಕ್ಷಣವು ಕೇವಲ ಅಂಕಗಳಿಗೆ ಸೀಮಿತವಾಗಬಾರದು, ಅದು ಜೀವನ ಕೌಶಲ್ಯಗಳನ್ನು ಕಲಿಸಬೇಕು ಎಂದು ಹೇಳಿದರು. ಅವರು ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಪುಸ್ತಕ ಓದುವ ಅಭ್ಯಾಸವನ್ನು ಬೆಳೆಸಿಕೊಳ್ಳಲು ಸಲಹೆ ನೀಡಿದರು. ಪ್ರತಿ ತಿಂಗಳು ಒಂದು ಪುಸ್ತಕವನ್ನಾದರೂ ಓದಿ ಅದರ ಬಗ್ಗೆ ಚರ್ಚಿಸಬೇಕು ಎಂದರು. ಮುಖ್ಯೋಪಾಧ್ಯಾಯರಾದ ಶ್ರೀ ರಮೇಶ ಹೆಗಡೆ ಅವರು ವರದಿ ವಾಚಿಸಿದರು. ಶಾಲೆಯಲ್ಲಿ ಕಳೆದ ವರ್ಷ ೩೨೦ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿದ್ದರು. ಈ ವರ್ಷ ಅದು ೩೪೫ಕ್ಕೆ ಏರಿದೆ. ಹೊಸದಾಗಿ ೨೫ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ಸೇರ್ಪಡೆಯಾಗಿದ್ದಾರೆ. ಶಾಲೆಯ ಫಲಿತಾಂಶ ೯೮% ಆಗಿದೆ. ಕಳೆದ ವರ್ಷಕ್ಕಿಂತ ೨% ಹೆಚ್ಚಳವಾಗಿದೆ. ಕ್ರೀಡಾಕೂಟದಲ್ಲಿ ೧೨ ಬಹುಮಾನಗಳನ್ನು ಗೆದ್ದಿದ್ದಾರೆ. ಕಬಡ್ಡಿ ತಂಡ ಜಿಲ್ಲಾ ಮಟ್ಟಕ್ಕೆ ಆಯ್ಕೆಯಾಗಿದೆ. ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಶ್ರೀಮತಿ ಲಲಿತಾ ಶೆಟ್ಟಿ ಅವರು ವಂದನಾರ್ಪಣೆ ಮಾಡಿದರು. ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಪೋಷಕರು, ಶಿಕ್ಷಕರು ಮತ್ತು ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ಸೇರಿ ಸುಮಾರು ೪೦೦ ಜನರು ಉಪಸ್ಥಿತರಿದ್ದರು. ಕಾರ್ಯಕ್ರಮವು ಮಧ್ಯಾಹ್ನ ೧೨:೩೦ಕ್ಕೆ ಮುಕ್ತಾಯವಾಯಿತು. ನಂತರ ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಸಿಹಿ ಊಟದ ವ್ಯವಸ್ಥೆ ಮಾಡಲಾಗಿತ್ತು. ಶಾಲೆಯ ಆವರಣದಲ್ಲಿ ಹಿರಿಯ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ಗಿಡಗಳನ್ನು ನೆಟ್ಟರು. ಒಟ್ಟಾರೆ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮವು ಯಶಸ್ವಿಯಾಗಿ ಮೂಡಿಬಂದಿತು

अतिबद्धघणउंमानअं
पहरुंआहारजिमइ।
इंगाल० रूडीवस्तुअं
परिणामचीनवनउआम
उपादसमान्त
धूमग० पाडूईवस्तुउप
रिक्षचीनवनउ मुह
मुखाकाडतउंजिमइ
अणठाए० क्षुधावद
नावद्यावचनेकारण
पांषइ रूपबलनीपु
ष्टिनइकारणि जिमइ
अनइपांचपुंठणार
जादरणसादेवकरु
इंनधरइ पासछ
उंपजूसरणि अठम
क्षउमासइंठठ पांषी
इंक्षउछनकरइ अन
इसुखशीलपणइ
मासकल्पिविहार।

आनइसीषवइं निमित्त० जोतिकशास्त्रप्रकाशिइ आरंभजीवनउविणासतहनइविषइरम
अनइपरिग्रहअधिकउंयगरणनोवांछाकरइ। काजयोषइगृहस्तनीचेंमिठांमआलि
यहजोवीमूंकइ अनइदासिइसहइ महासतीनउविहरिउंलिइं वलास्त्रीनइआसनइ
स्त्रीऊठ्यांपढीततकालबसइ उंच्चार० वडीनिति पासवण० लघुडीनीति श्लेष्मा इ
कम्मच अरकरनिमित्तजीवा आरंभपरिग्गादरमइ ६ए काछाणवि
णउमदमणुजाणावइदिवसउसुअइ अछिअलालंतेजइ इठि
निसिद्यासुअतिरमइ ६६उच्च । एपासवाणस्वात्तसिद्यागए
अणउन्ना संघारगउवद्दीणं पडिक्कमइसवासुपाउरणा ६७
नकरइपादुजयणं तसि यारणतहकरइपरिलागं
वरणेइअणुबध्वासासपक्क परपरकउमाणा ६८ संजाअइ
अइबहूअ इंगालसधूमगंअ णहए तेजईरूवबलठानधरइ
ईपायपुंछणइ ६ए अइमछवउछसंवछरचाउमासपाक्कसुन
करइसायबहूल नयविहरइमासकाप्पणं ७० नोयंगिहूइंपंडे
लांगा
नकरइ आताक्षत्रे पासछउएकघरभंतउनित्यसदाबोधउआहारलिइं।त
नित्यपिंडकहीइं।

त्यादिक अणउंन्ना०
एहनइविषइअसाव
धंनयणइ अजयणा
इपरठवइं संथाराउप
धिउंरि सवासुपाउरणा०
लूगाडउंठपडिकम
इं ताढिडोसनइंनइं।
पंथिमार्गिचांल
तउसरुनोनांतपांणी
लवानाजइणानका
रइं तिमतलीयोषासा
डानउंपरिनोगकरइ।
पहिरइं चरई० वली
अनिबधवर्षाकालि
विहारकरइं सप०
साधुप्रवरिश्यनइ
परतां र्यकिबजल
क्तत्रिइ सुख सुख
शीलप ए३।
विहरइं पासछ
उसाधुक्षीरसाकर
प्रमुखसंयागामनी

इ अनइइत्तकथाक
हनउघरिघरिसिष्प
इंकरइ गणनाअ
नइप्रमाणइकराक
क्रियाहूंना अधिक
उपगरणवहइराछइ
त्रेणिछेडिलान्तू
मिकाइकाजऊपनइ
अढायासासकइत
दयोग्यदूरि अनइ
आदियासीनसकइ
तायाग्यत्रेणिछेडिल
तूमिकाआसन्नाइ
सापरिहउयाअयां
बादरि इमबारका
इलघुनातियोग्य।
इमबारवडीनीतयो
ग्य वलात्रेणिकाल
हणायाग्य इमस
ज्झावासछेडिलान्तू

अनइएकाकीधिकउंरहइवलीगृहस्तनाघरनीकथाकरतउरहइं वेद्यादिकपाप
श्रुतपढइं वलीजनालाकनोचित्तरंजिवानउंजहनइअधिकारछइं पाणिआय
णाधर्मीनुषंननकरइ उंचचारित्रनापालणहारनइंयरान्नवइ वली।
सधउस्वामीनउनाषिउमार्गइपाढचादइप्रकाशनहीं बालमूषीपासथउ
एगागीअहएगिहछकदा पवसुआणिअहिजई अहिगारालो
गंगहणंमि ७१ परिसवइउगकारा सुधंमगंनि गुहएबारलाविह
रइसायागुरुउ संथमविगल सुखिवासु ७२ उगाइगाइहसई
असंवुडासयकरइकंदणं गिहकहचिंतगावियउमान्नदेइ
न्हइवा ७३ धंमकहाउअ दिछइघराघरिंनअपरिकहंतो
अगणाइपमाणाणायअइ रिंछिवइउवगरण ७४ बारसंवति
त्रिउ कालायउचारकालसमा उआलाबहिंवअहियासिआणहिया
एसनपडिलाहं ७५ गायछंसविगंआयरियमुअइवलइगछम्मगु
रुणाअआणपुछा जेकिंचिविहइगिहूइवा ७६ गुरुपरिलागंसु

सुषलेपटहूनउसे
यमविकल जावछ
लक्षअविहरइ
पासछउ एगाइ
मोटइअबहइआ
लनिकरइ पछइना
नाउबहइगीत
गाइ। वलाहसइ
असंहतमोकलउ
मुखकरीहसइ स
दाकंदर्प्पीहसामण
वचनबोलइ पर
नइहसावइ अनइ
गृहस्तनाकामकज
नाचिंतकरइ वली
उसन्नापासछादि
कनइवस्त्रादिकआ
पइ वलनात्तनइ।
धर्मकथाअ
जीवकासणासण

ANANDJI KALYANJI PEDHI

ಸಂಪಾದಕರು ಮತ್ತು ಪ್ರಕಾಶಕರು ಪ್ರಕಟಿಸಿದ ಪುಸ್ತಕಗಳ ಪಟ್ಟಿ ಮತ್ತು ಅವುಗಳ ಬೆಲೆಯನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಲು ಕೋರಲಾಗಿದೆ. ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಪಡೆದ ನಂತರ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಖರೀದಿಸಲು ಆಸಕ್ತಿಯಿರುವ ಗ್ರಂಥಾಲಯಗಳ ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಸಿದ್ಧಪಡಿಸಲಾಗಿದೆ. ಈ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿರುವ ಗ್ರಂಥಾಲಯಗಳಿಗೆ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಲಾಗುವುದು. ಪುಸ್ತಕಗಳ ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಲು ಕೋರಲಾಗಿದೆ. ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಪಡೆದ ನಂತರ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಖರೀದಿಸಲು ಆಸಕ್ತಿಯಿರುವ ಗ್ರಂಥಾಲಯಗಳ ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಸಿದ್ಧಪಡಿಸಲಾಗಿದೆ. ಈ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿರುವ ಗ್ರಂಥಾಲಯಗಳಿಗೆ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಲಾಗುವುದು. ಪುಸ್ತಕಗಳ ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಲು ಕೋರಲಾಗಿದೆ. ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಪಡೆದ ನಂತರ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಖರೀದಿಸಲು ಆಸಕ್ತಿಯಿರುವ ಗ್ರಂಥಾಲಯಗಳ ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಸಿದ್ಧಪಡಿಸಲಾಗಿದೆ. ಈ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿರುವ ಗ್ರಂಥಾಲಯಗಳಿಗೆ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಲಾಗುವುದು.

ಸಂಪಾದಕರು ಮತ್ತು ಪ್ರಕಾಶಕರು ಪ್ರಕಟಿಸಿದ ಪುಸ್ತಕಗಳ ಪಟ್ಟಿ ಮತ್ತು ಅವುಗಳ ಬೆಲೆಯನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಲು ಕೋರಲಾಗಿದೆ. ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಪಡೆದ ನಂತರ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಖರೀದಿಸಲು ಆಸಕ್ತಿಯಿರುವ ಗ್ರಂಥಾಲಯಗಳ ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಸಿದ್ಧಪಡಿಸಲಾಗಿದೆ. ಈ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿರುವ ಗ್ರಂಥಾಲಯಗಳಿಗೆ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಲಾಗುವುದು. ಪುಸ್ತಕಗಳ ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಲು ಕೋರಲಾಗಿದೆ. ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಪಡೆದ ನಂತರ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಖರೀದಿಸಲು ಆಸಕ್ತಿಯಿರುವ ಗ್ರಂಥಾಲಯಗಳ ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಸಿದ್ಧಪಡಿಸಲಾಗಿದೆ. ಈ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿರುವ ಗ್ರಂಥಾಲಯಗಳಿಗೆ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಲಾಗುವುದು.

ಸಂಪಾದಕರು ಮತ್ತು ಪ್ರಕಾಶಕರು ಪ್ರಕಟಿಸಿದ ಪುಸ್ತಕಗಳ ಪಟ್ಟಿ ಮತ್ತು ಅವುಗಳ ಬೆಲೆಯನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಲು ಕೋರಲಾಗಿದೆ. ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಪಡೆದ ನಂತರ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಖರೀದಿಸಲು ಆಸಕ್ತಿಯಿರುವ ಗ್ರಂಥಾಲಯಗಳ ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಸಿದ್ಧಪಡಿಸಲಾಗಿದೆ. ಈ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿರುವ ಗ್ರಂಥಾಲಯಗಳಿಗೆ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಲಾಗುವುದು. ಪುಸ್ತಕಗಳ ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಲು ಕೋರಲಾಗಿದೆ. ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಪಡೆದ ನಂತರ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಖರೀದಿಸಲು ಆಸಕ್ತಿಯಿರುವ ಗ್ರಂಥಾಲಯಗಳ ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಸಿದ್ಧಪಡಿಸಲಾಗಿದೆ. ಈ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿರುವ ಗ್ರಂಥಾಲಯಗಳಿಗೆ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಲಾಗುವುದು.

ಸಂಪಾದಕರು ಮತ್ತು ಪ್ರಕಾಶಕರು ಪ್ರಕಟಿಸಿದ ಪುಸ್ತಕಗಳ ಪಟ್ಟಿ ಮತ್ತು ಅವುಗಳ ಬೆಲೆಯನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಲು ಕೋರಲಾಗಿದೆ. ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಪಡೆದ ನಂತರ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಖರೀದಿಸಲು ಆಸಕ್ತಿಯಿರುವ ಗ್ರಂಥಾಲಯಗಳ ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಸಿದ್ಧಪಡಿಸಲಾಗಿದೆ. ಈ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿರುವ ಗ್ರಂಥಾಲಯಗಳಿಗೆ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಲಾಗುವುದು. ಪುಸ್ತಕಗಳ ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಲು ಕೋರಲಾಗಿದೆ. ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಪಡೆದ ನಂತರ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಖರೀದಿಸಲು ಆಸಕ್ತಿಯಿರುವ ಗ್ರಂಥಾಲಯಗಳ ಪಟ್ಟಿಯನ್ನು ಸಿದ್ಧಪಡಿಸಲಾಗಿದೆ. ಈ ಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿರುವ ಗ್ರಂಥಾಲಯಗಳಿಗೆ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿಕೊಡಲಾಗುವುದು.

ಕಾರ್ಯಾಲಯ ಹಾಗೂ ಕಂದಾಯ ಉಪವಿಭಾಗಾಧಿಕಾರಿಗಳ ಕಾರ್ಯಾಲಯ ಸೇರಿದಂತೆ ಒಟ್ಟು ೪೫ ಕಚೇರಿಗಳಿಗೆ ಭೇಟಿ ನೀಡಿ ಪರಿಶೀಲನೆ ನಡೆಸಿದರು. ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಕಚೇರಿಯ ಸಿಬ್ಬಂದಿ ಹಾಜರಾತಿ ಪುಸ್ತಕ, ಕಡತಗಳ ನಿರ್ವಹಣೆ, ಸಾರ್ವಜನಿಕರಿಂದ ಸ್ವೀಕರಿಸಿದ ಅರ್ಜಿಗಳ ವಿಲೇವಾರಿ ಪ್ರಮಾಣ ಹಾಗೂ ಕಚೇರಿಯ ಸ್ವಚ್ಛತೆಯ ಬಗ್ಗೆ ಸೂಕ್ಷ್ಮವಾಗಿ ಪರಿಶೀಲಿಸಿದರು. ಕೆಲವು ಕಚೇರಿಗಳಲ್ಲಿ ಸಾರ್ವಜನಿಕರಿಂದ ಸ್ವೀಕರಿಸಿದ ಅರ್ಜಿಗಳು ಹಲವು ತಿಂಗಳುಗಳಿಂದ ಬಾಕಿ ಉಳಿದಿರುವುದು ಕಂಡುಬಂದಿದ್ದು, ಅಂತಹ ಕಚೇರಿಗಳ ಮುಖ್ಯಸ್ಥರಿಗೆ ಸ್ಪಷ್ಟನೆ ಕೇಳಿ ನೋಟಿಸ್ ಜಾರಿ ಮಾಡಲಾಗಿದೆ. ಕೆಲವು ಕಚೇರಿಗಳಲ್ಲಿ ಸಿಬ್ಬಂದಿ ಕೊರತೆ ಇರುವುದನ್ನು ಗಮನಿಸಿದ್ದು, ಈ ಬಗ್ಗೆ ಮೇಲಧಿಕಾರಿಗಳಿಗೆ ವರದಿ ಸಲ್ಲಿಸಲಾಗುವುದು ಎಂದು ಅವರು ತಿಳಿಸಿದರು.

ಸಾರ್ವಜನಿಕರಿಂದ ಸ್ವೀಕರಿಸಿದ ಅರ್ಜಿಗಳ ವಿಲೇವಾರಿಯಲ್ಲಿ ವಿಳಂಬ ಮಾಡಿದರೆ ಅಂತಹ ಅಧಿಕಾರಿಗಳ ವಿರುದ್ಧ ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾರ್ವಜನಿಕ ಸೇವಕರ ನಡತೆ ನಿಯಮಗಳ ಅಡಿಯಲ್ಲಿ ಕ್ರಮ ಕೈಗೊಳ್ಳಲಾಗುವುದು ಎಂದು ಎಚ್ಚರಿಕೆ ನೀಡಿದರು. ಕಚೇರಿಯ ಸ್ವಚ್ಛತೆ ಕಾಪಾಡಿಕೊಳ್ಳುವಂತೆ ಸಿಬ್ಬಂದಿಗೆ ಸೂಚನೆ ನೀಡಿದರು. ಸಾರ್ವಜನಿಕರಿಗೆ ಕುಡಿಯುವ ನೀರು, ಶೌಚಾಲಯ ಸೌಲಭ್ಯ ಕಲ್ಪಿಸಲು ಸೂಚಿಸಿದರು. ಕಚೇರಿಗೆ ಬರುವ ಸಾರ್ವಜನಿಕರೊಂದಿಗೆ ಸೌಜನ್ಯದಿಂದ ವರ್ತಿಸಬೇಕು ಎಂದು ಸಿಬ್ಬಂದಿಗೆ ತಾಕೀತು ಮಾಡಿದರು. ಭೇಟಿಯ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಉಪವಿಭಾಗಾಧಿಕಾರಿ ಶ್ರೀಮತಿ ಲಕ್ಷ್ಮಿ ಪ್ರಸಾದ್ ಅವರು ಉಪಸ್ಥಿತರಿದ್ದರು.

ಕಾರ್ಯಾಲಯ ಹಾಗೂ ಕಂದಾಯ ಉಪವಿಭಾಗಾಧಿಕಾರಿಗಳ ಕಾರ್ಯಾಲಯ ಸೇರಿದಂತೆ ಒಟ್ಟು ೪೫ ಕಚೇರಿಗಳಿಗೆ ಭೇಟಿ ನೀಡಿ ಪರಿಶೀಲನೆ ನಡೆಸಿದರು. ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಕಚೇರಿಯ ಸಿಬ್ಬಂದಿ ಹಾಜರಾತಿ ಪುಸ್ತಕ, ಕಡತಗಳ ನಿರ್ವಹಣೆ, ಸಾರ್ವಜನಿಕರಿಂದ ಸ್ವೀಕರಿಸಿದ ಅರ್ಜಿಗಳ ವಿಲೇವಾರಿ ಪ್ರಮಾಣ ಹಾಗೂ ಕಚೇರಿಯ ಸ್ವಚ್ಛತೆಯ ಬಗ್ಗೆ ಸೂಕ್ಷ್ಮವಾಗಿ ಪರಿಶೀಲಿಸಿದರು. ಕೆಲವು ಕಚೇರಿಗಳಲ್ಲಿ ಸಾರ್ವಜನಿಕರಿಂದ ಸ್ವೀಕರಿಸಿದ ಅರ್ಜಿಗಳು ಹಲವು ತಿಂಗಳುಗಳಿಂದ ಬಾಕಿ ಉಳಿದಿರುವುದು ಕಂಡುಬಂದಿದ್ದು, ಅಂತಹ ಕಚೇರಿಗಳ ಮುಖ್ಯಸ್ಥರಿಗೆ ಸ್ಪಷ್ಟನೆ ಕೇಳಿ ನೋಟಿಸ್ ಜಾರಿ ಮಾಡಲಾಗಿದೆ. ಕೆಲವು ಕಚೇರಿಗಳಲ್ಲಿ ಸಿಬ್ಬಂದಿ ಕೊರತೆ ಇರುವುದನ್ನು ಗಮನಿಸಿದ್ದು, ಈ ಬಗ್ಗೆ ಮೇಲಧಿಕಾರಿಗಳಿಗೆ ವರದಿ ಸಲ್ಲಿಸಲಾಗುವುದು ಎಂದು ಅವರು ತಿಳ

ಮಾಡಿದ ಕೆಲಸಕ್ಕೆ ಸಂಬಳ ಕೊಡಲಿಲ್ಲ ಎಂದು ಆಕೆ ಆರೋಪಿಸಿದ್ದಾಳೆ. ಈ ಬಗ್ಗೆ ಮಾಹಿತಿ ಪಡೆದ ಪೊಲೀಸರು ಆರೋಪಿಯನ್ನು ಬಂಧಿಸಿ ಕೃತ್ಯಕ್ಕೆ ಬಳಸಿದ್ದ ಕಾರನ್ನು ವಶಪಡಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದಾರೆ. ಆರೋಪಿಯ ವಿರುದ್ಧ ಪ್ರಕರಣ ದಾಖಲಿಸಿಕೊಂಡಿರುವ ಪೊಲೀಸರು ತನಿಖೆ ಮುಂದುವರಿಸಿದ್ದಾರೆ.

ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ಮಾತನಾಡಿದ ಜಿಲ್ಲಾಧಿಕಾರಿ ಶ್ರೀಮತಿ ಅನುರಾಧಾ ಕಪೂರ್ ಅವರು, ಜಿಲ್ಲೆಯಲ್ಲಿ ಕಳೆದ ಮೂರು ವರ್ಷಗಳಲ್ಲಿ ಸಾಕ್ಷರತಾ ಪ್ರಮಾಣ ಶೇಕಡಾ ಹದಿನೈದರಷ್ಟು ಹೆಚ್ಚಳವಾಗಿದೆ ಎಂದು ಹೇಳಿದರು. ಇದಕ್ಕೆ ಕಾರಣರಾದ ಸ್ವಯಂಸೇವಕರು, ಶಿಕ್ಷಕರು ಮತ್ತು ಸಮುದಾಯದ ಮುಖಂಡರನ್ನು ಅವರು ಅಭಿನಂದಿಸಿದರು. ಮುಂದಿನ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಗ್ರಾಮೀಣ ಪ್ರದೇಶದ ಮಹಿಳೆಯರಿಗೆ ವಿಶೇಷ ಗಮನ ನೀಡಲಾಗುವುದು ಎಂದು ಅವರು ತಿಳಿಸಿದರು.

ಜಿಲ್ಲಾ ಪಂಚಾಯತ್ ಸಿಇಒ ಶ್ರೀ ಮಹೇಶ್ ಕುಮಾರ್ ಅವರು ಮಾತನಾಡಿ, ಕಲಿಕಾ ಕೇಂದ್ರಗಳಿಗೆ ಅಗತ್ಯವಿರುವ ಕಟ್ಟಡ, ಶೌಚಾಲಯ ಮತ್ತು ಕುಡಿಯುವ ನೀರಿನ ವ್ಯವಸ್ಥೆಯನ್ನು ಪಂಚಾಯತ್ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಒದಗಿಸಲಾಗುವುದು ಎಂದು ಭರವಸೆ ನೀಡಿದರು. ಜಿಲ್ಲಾ ಸಾಕ್ಷರತಾ ಸಮಿತಿಯ ಅಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಶ್ರೀಮತಿ ಲಲಿತಾ ಬಾಯಿ ಪಾಟೀಲ್ ಅವರು ಸ್ವಾಗತಿಸಿದರು. ಜಿಲ್ಲಾ ಸಾಕ್ಷರತಾ ಅಧಿಕಾರಿ ಶ್ರೀ ರಮೇಶ್ ಬಾಬು ವಂದನಾರ್ಪಣೆ ಸಲ್ಲಿಸಿದರು. ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ಸುಮಾರು ಮುನ್ನೂರು ಜನರು ಭಾಗವಹಿಸಿದ್ದರು

ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಲು ಅವಕಾಶ ಕಲ್ಪಿಸಿದೆ. ಇದರಿಂದ ಸಾಲಗಾರರಿಗೆ ಸಾಲ ಮರುಪಾವತಿಸಲು ಹೆಚ್ಚಿನ ಸಮಯ ದೊರೆಯಲಿದೆ. ಈ ಕ್ರಮದ

पवयणं पवत्तावंता नयदुक्करकरिता सुदुविअप्पागमा पुरिसा २३
नाणक्रियस्सनाणं पुच्छइनाणं पवत्तए चरणं जस्सपुणदुहुइक्कंपि नत्थि
तस्सपुच्छएकाउं २४ नाणंचरित्तहीणं लिंगग्गहणंचदंसणविहीणं संजम
हीणंचतवं जोचरइनिरत्थयंतस्स २५ जइदारवारिचंदणनावादी
सरस्सनागीनऊवंदणस्सए वंखुनाणीवरणाणहीणं नाणं
स्सनागीनऊसुग्गईए २६ सं पागडपडिसवी काएसुवएसुजो
नउक्खमई पवयणपाडणपरामं मत्तोकामलंतस्स २७ वरणकरणपरिहीणं
णं जइवितवंचरइसुदुक्करइगुरुयं सातिव्वंविकिणंतो कंसियबुद्धुणं
यद्धो २८ छज्जीवनिकायमदवयाणं परियालणइजइधम्मा जइपुणनाइंनि

ಕಾಲಾಂತರದಲ್ಲಿ ಅವರ ಮಗ ಮಲ್ಲಿಕಾರ್ಜುನ ಪಟ್ಟಕ್ಕೆ ಬಂದ. ಇವನ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಕಾಕತೀಯರು ಮತ್ತೆ ಪ್ರಬಲರಾಗಿ ಬೆಳೆದರು. ಇವನ ಮಗ ಕಾಕತೀಯ ಗಣಪತಿ ಮಹಾದೇವಿಯ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಕಾಕತೀಯರು ಸಾಮ್ರಾಜ್ಯ ಸ್ಥಾಪಿಸಿದರು. ಗಣಪತಿಯ ಮಗಳು ರುದ್ರಮಾಂಬೆ ಪಟ್ಟಕ್ಕೆ ಬಂದಳು. ಇವಳ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಕಾಕತೀಯರ ಸಾಮ್ರಾಜ್ಯ ಉತ್ತುಂಗಕ್ಕೆ ಏರಿತು. ಇವಳ ಮಗ ಪ್ರತಾಪರುದ್ರ ಪಟ್ಟಕ್ಕೆ ಬಂದ. ಇವನ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಕಾಕತೀಯರ ಸಾಮ್ರಾಜ್ಯ ಅವನತಿಯತ್ತ ಸಾಗಿತು. ಇವನು ಕಾಕತೀಯರ ಕೊನೆಯ ದೊರೆ. ಇವನ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಮುಸ್ಲಿಮರು ದಕ್ಷಿಣಕ್ಕೆ ಲಗ್ಗೆ ಇಟ್ಟರು. ಇವನು ಮುಸ್ಲಿಮರ ವಿರುದ್ಧ ಹೋರಾಡಿ ಸೋತು ಸೆರೆಯಾಳಾಗಿ ದೆಹಲಿಗೆ ಒಯ್ಯಲ್ಪಟ್ಟ. ಅಲ್ಲಿ ಅವಮಾನಿತನಾಗಿ ಸೆರೆಮನೆಯಲ್ಲಿ ಮರಣ ಹೊಂದಿದ.

ಕಾಕತೀಯರ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಕಲೆ, ಸಾಹಿತ್ಯ, ವಾಸ್ತುಶಿಲ್ಪ ಮತ್ತು ಶಿಲ್ಪಕಲೆಗಳು ಅಪಾರವಾಗಿ ಬೆಳೆದವು. ಕಾಕತೀಯರ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಅನೇಕ ಕೆರೆಗಳನ್ನು ನಿರ್ಮಿಸಲಾಯಿತ

ना बुधइ पइ सइ ति
मधम्मकथा नउकध
नहारालाकनइरंज
वइ आपदणि प्रमा
वुकरइ इसिउजे
उपादसमाल॥
करवतकरइछइ॥
विवकाजीवइइमवि
मासिउधम्मीनुष्ठान
किमइकरुउजाइ-
हि॰ जजाणपुरुष
आयणइहाइआलो
ककरइ तआपणा
आत्मानइहितघण
उकरइ तधर्मानु
ष्ठानआनादरिकाध
उरूउनदुरंतक
हिवइ॥ १५ साघल
दालउआनादराअ
नावरयाघइकाधउ
अवसवसकउ॥

तेमासादसपंचदीउसतासंघनइमुहडइपडसी वाघनामुखमाहिदीतनचालइमांस
ढइ तचांवइकरीकादइ मुखिवलीमासादसारइसिउकरइ पणिजस्उबा
लइतिसउकरइनही असापरिआनसजिजिसिउकहइतिस्उनकरइ तातपं
षायासरीघउजाणिवउ सारीकम्मीजीववलीकिसिउकरइतकहिवइ १६ घन
रुअहाणएतेआयरंतितदा १७ वग्घमुहेमिअइगउमंसंदेतनरा
उकाहइ मासादसंतिजेपइकरइनयंतेजदालणीयं १८ परिय
हिऊणगंधछविरनिदसिऊ णापरमछंतेतदकरइजदत्तेन
दाइसहेणिनडपदियं १९ प दइनाजावरगंनिविछिआउय
बहुजाणाजं णपदिऊण तेनदसढाजालएजलसमा
यरइ २० कदरकारमिकद मीकारमिकदरकयं बहूकयं
मिजादियइसंपसारंकरइ सोअइकरइदियं २१ सिढला
अणायरकउ अवस्सवसकउतदाकरावकउसयंयमन्नसी
लस्ससंजामाकरिस्मदुछा २२ चंदुब्बलपरखापरिदाइपए २

गुरुवडानइआधीनयाइंकीधउ हाणीइछंइनकीधउ नहाकंठकांईकीधउकांई
नकीधउ सयंयं निरंतरप्रमादशीनइसंयमकंदवउएकजइ कपिउकांईनही॥
जिमवइमाकलाइंपरखवाडइ॥ दिहांडइरुयजाइ तिमसाधुपदिरक्षाना
किरप्रमादकरनउसंयमश्रमश्रईदीणउयाइ॥

इअछीतदनउविस्तार
परावलीनइसिधंत
नउपरमार्थकसमटइ
सोनानायरइकसो
नइसारीकम्मजीवास
वीनइअर्थनउजाणि
वइतिमकरइजिम
काजिनावइसाहाम
उअनर्थहुआइ॥
जिमनदावानइपूढ
वइनदावानउजिम
हुइतिम नदाव
उअगउवचनकरी
विरागपनाशास्त्रपढ
इजाणइपढिघएए
घएए श्लोकसंसारम
क उविराग्प
या ध३ नइनिंदी
ला इपढइ
मायावीउ सठनटा
वइजालत्तलईपंणा
मादिमाठलालवा

रहित आराधमतत्व
जगणइ तेहथकाक
र्मनउक्षयहुइ
वलीएवातकहिवइ
जदिनरवकारिउरा
त्रि सेकालइ॰ सूडबु
धइवारइनहा किमा
सइआजातयक्रिया
दिक किम्माइगुणउ
पार्जइ अनइअगुण
प्रमादअतीचारनइ
विषइ खलिउनहा
वूकउनहा कहंते
आपणाआत्मानइहि
तकिमकरइ समग्र
वासनारहितसणाकं
रीनसकइ इमउक्त
उकारिकूषस्तनाथ
घकउआरंभा धर्मानु
ष्ठाननउकरिवउंग
णिउ आवंतीसुकमा

लोजइ आपणपउ
गावइ अगटलोक
मादिजाणंतो प्रबन्
धानोसइकरइ श्लोक
नइधर्मनिउआवसा
सकपजावंतउ एह
वउतापाधर्नधिगस्तं
कूंजावूनथ्थइतिम
नावनइएअनाचार
नथणीनइदाषकहि
उ दूवइनिरंत
चारआईवातकहं
इउइ धर्मनइअर्थि
कारइदिढाउसवा
डाघरसकांईनगणी
इतादघणाघाडइ
काजनसीझइ पढइ
सिउगणाइ जेमूल
पांचमहाव्रत उत्तरग
णसमति गुप्ति खलि
नअनाचारतादूकरी

जइ अप्पा साविउ वसमणो कायवायसंवरणो उप्पाडइ कसिणं लोयं चालिय तेणेक्काइणं कम्मु खवेइ अणंत भवसंचियं
गाइ गाविज्जा ण विकहा विणा अत्ता अंतरत्ता संअवक्खत्ता
जे जस्स अणिट्ठमुट्ठिउ अत्ता सम्मत्तसिद्धा ण अणवहियमणो
जस्स झायइ बहु आई अहमहाइ तं चिंतियं वत्तलहइ
संचिणइ पावकम्माइं जइ सुवइ लब्भ जइ सुविरं
ताव वणावच्छे तइ कम्मलेर गुत्त संजम निद्दादि राजाण ण
विछप्पा जइ उसकाई पउ जइ वायइ रणाइ तइ सअदि अयरं चु
एणा ऊरियउ हे ण दहु जइ मकछकरे लिंने संवं न वाइ पुणकरे

काल ताप वनसुसाधउ मा करिउ तिमतिमकर्म नउ एवउ बुल्लमिथ्यात्वादिपा ता कर्म
तउ नइ लाहि मम्हगुरुउ चाविउ नउ संयम आसिध्मे तो क्रिया नुष्ठान तइ थकउ
बहिर्द्रव्यमात्र एतलइ नाथ कर्म जीव घाण सिध्मेत पात्तत्राणसा इ तपरवाद्यकर्म
नकरइ तउपरइ दृष्टांत कहिवइ आत्मा हि नकारी वेवा वायवि कार नाधणीरो

मादिअंगाएंगादि
कागयवइ इवइच
चनयंत्रवानप्रकार
कइवइ महात्मा
राजकथादिकविकथा
नकरइ वलनागमा
जिवासणी विनावक
थानकरइ गुरुबा
लनाक्विालइअंतर
साखाबालइनही॥
अवक्रइयोगमका
रचकारादिकनाबाल
इ जेज जइनइच्छ
निष्टअणगमतोला
षातहनइनबालइ
॥ अहि
उप ४४ कणहि
अ णपूछ
ग विचालइ कांई
साखानाबालइ इ
बइमनआश्रीकहे

उस्वरूपनकहाइ तक
हितोहासूथाइ
जिनवरनाथंकरादाव
जन्मजरामरणात्मकुना
विघ्नमुक्का॥रहितोमा
हनाबहूमार्ग्रकहा
या॥एकवरउसाधूनउ
मार्ग्रबीजउश्रावक
नउमार्ग्र॥जउसोव
गवरकिनउमार्ग्रीतहा
श्रीजउमार्ग्रीबहूमार्ग्र
मादिश्रावउ
सावर्चिनसावपूजा
नगथंतनउकउणउ
द्रव्यविहारीयणाइजि
अनइइव्यपूजातके
हा॥जेवीतरागनाबि
बनावंदनकुसमनोव
द्यादिकपूजानउकरव
ग॥अनइजोजो व साव
पूजाइउलपइहूतउ इव्य
पूजा श्रावकनाधर्मपा
लिवानइविघडइतइ क
उसमवंतथाइ परव

गीयानइवायनादरणादरासूत्रिमरागपरिश्रमुषकुषधपीइतिमतिमतरागीश्रा
नइपडिलाअवस्थापाहइघणारुदरवायइरिइ जिमए तिमश्रावीतरागरूपीइश्रा
त्मावेदा कर्मरूपयारागगतहूनाफलणदार सिध्मेतरूपयाऊषधयाइ तिमसारी
कर्मरूपरागअधिकनरबाधइएतलइजिनवचनरूपायाविरागवेद्यनइपडाग
वइकरी जावनारागकर्मनगयातजावअसाध्याअजोग्यजाणिवउकहइनापरइ
णं एत्तादेचनबविहनइपरिकम्मणं किंविदए का दाढीउवएसे वरणा
लसयाणवुद्धियहाणं इंदस्सदेवलोगा नकहिछइजाणमाणस्स ए
दावव्वजिणवरहिं जाइजरामर णविप्पमुक्केहिं तोगमिप्पदाल
णियासुस्समणसुस्सावगोवा विएसावछणमुगविदारया
यदव्वछणेउजिणइयाणा वछणेसाहादविछदव्वछणु
जुत्तोपरजापुणनिरछणुछि यसरीरसुहकछमित्तत्तम्मिठा
तस्सनयबादिलालानसुगाईत यपरालागाएइ केचणमणिसा
वाणं घेनसदस्सुसियसुवन्नतले जाकारिछजिणहरं तउवित्तव
से जामाअदिन एधनिद्धाएदुद्धिस्वरन्नादीवतरागअन्नाअआणए
राइमोक्षमार्ग्रलहइ जपुणडव्यपूजाअनइसावपूजाबहूकरारहितहूइ अवोआणस
यरनउजसुखमात्रातहनइविघडइसुखकार्यमात्रनइविघडइतिलेखे॥गादउलवहूइतहनइबाधिलान
आवइ नविजिनधर्मआप्तिनहूइ अनइमोक्षगतिनहूइ अनइदवपवबाअप्तिस्वर्गपरालोकउत्रमयाभइ।
डव्यपूजालावपूजामादिकदोपूजाअधिकएवास कहइछइ॥ काईएकपुरुषइसीपरिवीतरागतइ
द्रव्यपूजाकरइकिम को सुवर्णमणिचंद्रकोतिसूर्यकोतिइत्यादिकोतहनांणवडीयासंकरावे

ಮಾಡಿದ ಅಪರಾಧಿಗಳಿಗೆ ಶಿಕ್ಷೆ ವಿಧಿಸಲಾಗಿದೆ. ಈ ಪ್ರಕರಣದಲ್ಲಿ ಸಂತ್ರಸ್ತೆಯ ಪರವಾಗಿ ಸರ್ಕಾರಿ ಅಭಿಯೋಜಕರಾಗಿ ಶ್ರೀಮತಿ ಸುಮಾ ಎಂ. ಕುಲಕರ್ಣಿ ಅವರು ವಾದ ಮಂಡಿಸಿದ್ದರು. ಸಂತ್ರಸ್ತೆಯ ಪುನರ್ವಸತಿಗಾಗಿ ಸರ್ಕಾರವು ಪರಿಹಾರ ನೀಡಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಿದೆ.

ಸಂತ್ರಸ್ತೆಯ ಪುನರ್ವಸತಿಗಾಗಿ ಸರ್ಕಾರವು ಪರಿಹಾರ ನೀಡಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಿದೆ. ಈ ಪ್ರಕರಣದಲ್ಲಿ ಸರ್ಕಾರಿ ಅಭಿಯೋಜಕರಾಗಿ ಶ್ರೀಮತಿ ಸುಮಾ ಎಂ. ಕುಲಕರ್ಣಿ ಅವರು ವಾದ ಮಂಡಿಸಿದ್ದರು. ಸಂತ್ರಸ್ತೆಯ ಪರವಾಗಿ ಸರ್ಕಾರಿ ಅಭಿಯೋಜಕರಾಗಿ ಶ್ರೀಮತಿ ಸುಮಾ ಎಂ. ಕುಲಕರ್ಣಿ ಅವರು ವಾದ ಮಂಡಿಸಿದ್ದರು. ಸಂತ್ರಸ್ತೆಯ ಪುನರ್ವಸತಿಗಾಗಿ ಸರ್ಕಾರವು ಪರಿಹಾರ ನೀಡಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಿದೆ.

ಸಂತ್ರಸ್ತೆಯ ಪರವಾಗಿ ಸರ್ಕಾರಿ ಅಭಿಯೋಜಕರಾಗಿ ಶ್ರೀಮತಿ ಸುಮಾ ಎಂ. ಕುಲಕರ್ಣಿ ಅವರು ವಾದ ಮಂಡಿಸಿದ್ದರು. ಸಂತ್ರಸ್ತೆಯ ಪುನರ್ವಸತಿಗಾಗಿ ಸರ್ಕಾರವು ಪರಿಹಾರ ನೀಡಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಿದೆ. ಈ ಪ್ರಕರಣದಲ್ಲ

PAGE(S)MISSING

NOT AVAILBLE

F.F NO:- 46

करामो दपणेए
इकारेसंविग्गपाहि
कासवदिरिसवीश क्ति
इंसिद्धांताक्कजइणाक
रीजिमातसाधुनइइदव
उपावसमाल॥
णानावइंतिमसाधुकर
णीयमदात्मानइंजाई
नउकाजासक्कइ।
जकरिवउंजइं॥
संविग्गपाहिपसग्गक
दछा।गाढइआदरिसा
धुनइंसन्मानासक्क
रंकरंतो॥दाहिलउंका
इंमाणसं० जिदन्नणी
एलोकप्पायएइंस
निमानिइंकरीसंका॥
ताढाडउंछइ एनणी
संविग्गपाहिकयणउं
उसन्नानइंल्लाकमाहि
स्फरप्रकटनिःछद्मए
णइक्करइनागाढउ॥

कनउ मिथ्या ह्रीकदाइ। कुणइ। गृदछ नइलिंगिछइ। कुलिंगी॰ नरजादिकाविधिछइ।
इव्यलिंगजिमदात्मा नइविधिमि घत्ना चारापणइ जीवइंइ। नछकदइसाधुश्रावक।
संविग्गपाहिका समग्रीत्तकदिया त्रिप्प पूछइ पासछादिकसाधूनइविधिठनइ। सं
सारनउ मार्ग किमकदाइ एदनुकेतरकहिछइ॥ ए संसारसागरमाहिपरिभ्रमण

मा पएकपादा २१ एससा मिछादिठी गिहिलिंग कुलिंगदछलिंग
हिं जदतिन्नि उमुक्खपदा संसारपदातदातिन्नि २० संसारसागरमि
णं परिभ्रमंतेहिं सछ जीवहिं ग दियाणियमुक्काणिय अणतसा
दछलिंगाइं २१ अछणुराओजो ५णं नमुछइबहूसाविपन्नवि
छत्ता संविग्गपरिकयत्तं करिछत्तणम्हिहिसिताणएहं
२२ कंतारादमधाणउमग्गे नन्नमाइकाछस्तु सछायए
णजयणाइकुणइजोसाहूकरि णिछ २३ आयरतरसमाणंमु
दुक्करमाणसंकडालए संविग्गपरिकयत्तं उसन्नणकुडंकाउं २४
सारणवइआजगछ निग्गयापविहरंतिपासछ जिणवयणबाहि
करंतनणीसंसनीयकदाइं पूर्विल्लाचरणाच्चवी तारिवउंस्मरणाआकत्तव्यनइप्र।
रिवउं।वादिना।एहछंतानाजाजि छंडाव्योछइं अनइंजगछकृतानाकल्याएहवाजा।
पासथ्थाश्चळोसंविहरइविचरइं। तजिननांवचनइछडबाहरिछंतानाकिवस्तइप्रमाण
नेकरिवा॥ ढा॥ ॥

करतो। सर्वजीवइराजारा
णादिका महात्मानात
षडलिंग अनेतीवार
लाभा। अनइमूक्या। अ
नेतइकालि राजव
षधरवानइविधइ। अति
अनुरक्तप्रतिबंधछइ। अ
नइलगारइससूगछइ।
इसिराजमहात्मानंउ
वषनमूकइ। बहुघणा
पराछवातउ हूलउ संवि
ग्रपाछिकपणइकीजत
इ। एवज्ञानादिकमाछो
मार्ग लद्धिसि। तसं
विग्गपाछिकसाधुकण
इअवसरिकाजइआव
इ॥ तकदि ७३॥
कांता ४५ रमाटआ
टवी रा इ॰पर
चक्रो नइल यगढ
सादउ मधाण॰विषम
मार्गी अवमदुर्लिकालि
लिंग्लान जरोदिणागइं

रीकरणमत्तरीतिदोजा।
आत्मसठइं अविन
उर्विनीतवक्रचित्तडजी
छइ तेदनइंसदाउप
दसमात्तप्रकरणं अ
याग्यादवायुक्तंनदी
कोई नम॰ज्ञातसदस
त्नारत्नमूल्यमणिरत्न।
कंठनासकागनइं
गलइंकु णिहिबोधी
इंनहो। करतल
गतदाखिलाध्यक्षा।
मलानीयइंस्फरप्र
गटा सभ्रावा॰सा।
भीबुद्धिइसघलउज्ञा
नादिकमोक्षमार्ग

सुखवारित्रनीउंपदाइंदीणउंठउंकुइ अनइंस्तभउंपरूपइ वलीसंवगीनउपक्षपातकरइंतद
नइजाजिइडाडाइणा वक्रादाषवस्तनउंटालिवउ अल्पादाषवस्तनउंल वउं कुइं सासा॰
तातुजइणासुखपरूपक्तनइंनिजिरा कर्मक्षयनउंकारणकुइ। संकाईपरिखुगदणदना
दईवाणउत्रकमाशदिकनउंनागादईकुगरतिलानिसयं लान्तिवाणीउव्यवसायकरइंएम॰
ईसापरिजागीनाथेसाधुसिधांतनउजाणकुइं तश्चाय॰ज्ञानादिकनउंश्रायुलाभादईवक्र

रावियंतउयमाणंनकायव्वा २५ दीणस्सविसुधपरूवगस्सविवि
गपरकरंतवायस्सजाजादविछजयणासासासनिछराढाइ २६
सुकाईपरिसुधंसयलालकुण इवाणिउविहंएमवयंगायछाश्रा
यंविहुसमायरइ २७ श्रमु काजागेणुछियदवइउसावावि
तस्सजीवदयासंविगा परकजयणातादिठासादूवग
स्स २८ किमूसगाणश्रछ णंकिवाकागाणकणयमालाए
मादमत्तंरववलियाणंकिंक छववएसमालाए २९ वरणकरणत्त
साणं अवणियबहुलाणसयंजागमिणं नमणासयेसावस्सा॰श्रा
विछइकुबुलासाणस्स ३० नाकणकरयलगयामलेवसभावउंपद

जाणनइंविषइंजीवसदाइं ढा॥

गुणवस्तुधसमावरइं।
जेइणाइंकरीसठइंतद
नइंलानाजइकुइं।
सविजंपइकारमुक्कमुं
क्याढाणसंयमेदिव्या
पारलीणइंदवीसाधु
वर्गनइंथाडाजविदया
जइंतिणिकारणिसंवि
ग्रपाछिकनाजइणासा
धुवर्गनइंइचाकरूप
परामत्तसदाठी॥
मूरखकनइंइपर्थिक
सिउकाणनइंकनक
नीमालाकिसुंछापि
उंकाईनहोतिमामा।
दमाहिलिकर्म्मभलि
कखरटिथुरुधनउं।
उंपादसमालाइंकिसि
उंकाजइपिउनकां
ई॥ वरणसत्ता।

Digitized with financial assistance from the
Government of Maharashtra
on 11 June, 2017

समुद्दं जाव य नरकत्तं मंडिउ मसुं तावय रईया माला जयं मिहिर
घावरा रइउ ४२ अक्खर मत्ता दीणं जं चिय पढियं अत्थाणमाणेणं
तं खमउ मज्झ सव्वं जिणवयणं विणिग्गया वाणी ५४४ इति श्री उ
पदमाला प्रकरणं समत्तं
लिखत्तं संवत १६१७ वरषे
त्ते ऋषिजुणा श्रावत ऋषि
पी सुसेसवजु कल्याणमसु
संलिखत्तमया जदि सुधमसुधं वा ममादोषानदीयते ॥छ॥

ऋछ दुइतगीता
र्थत्रयुन्नउद्यम क
रासाधिवइ।
इतिउपदमाला
समाप्त॥ सुसेसवजु॥
संवत १६१७ वरषे
आसाढ सुदि ११ द
ने लषसंबेरदान
पुरमध्ये ऋषिश्री
रंगपढ नाथें
लष्य ताऊ
षिजुणा श्रावत
जादिसं पुस्तकं दृष्ट्वा तादि
दृष्ट्वा तादिसं लषत
म यादो जदि
सुध धण मसुध
वा मम दो
षा नदी
यते॥छ॥छ॥
सुसेसवजु॥छ॥छ॥